श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 235, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 21 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

स्वास्थ्य सुविधाओं पर सदन में बरपा हंगामा

यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ: योगी

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने राज्य की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर इस पर चर्चा की मांग की और हंगामा शुरू कर दिया। प्रश्नकाल के बाद सपा की इस मांग पर सदन में चर्चा हुई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़ा किये तो नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके हर सवाल का जवाब भी दिया और सपा पर हमले भी बोले। मुख्यमंत्री के जवाब से असंतुष्ट सपा के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की बातों से स्पष्ट हो रहा था कि पर उपदेश कुशल बहुतेरे...। उनको (अखिलेश) यह भी नहीं पता था कि वह जो बोल रहे हैं, किसको बोलना चाह रहे हैं। इस प्रदेश में चार बार समाजवादी पार्टी की सरकार रही है। मुझे लगता है कि प्रदेश की

25 करोड़ जनता या फिर देश की 135 करोड़ की आवादी में से कोई भी व्यक्ति राजनीतिक रूप से उनसे उपकृत होगा। कोई सपा को सही नजरीय से नहीं देखता होगा। उन्होंने कहा कि कई सर्वे इस बात की गवाही देते हैं कि विगत साढ़े पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन सुधार हुआ है। चाहे वह एनिमिया का मामला हो या मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार।

यूपी में आज इंसेफलाइटिस से मौतें जीरो स्तर पर पहुंच गईः योगी

अखिलेश के डबल इंजन की सरकार पर कटाक्ष का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मौसम में इंसेफलाइटिस की वजह से एक डर व्याप्त रहता था। प्रति वर्ष वहां पर 1200 -1500 से दो हजार मौतें होती थीं। अकेले गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज मं पांच से छह सौ मौतें होती थीं। यह डबल इंजन की सरकार का ही परिणाम है कि आज इंसेफलाइटिस से मौतें जीरो स्तर पर पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग केवल दूसरों को उपदेश देते हैं। 2012 से 2017 तक सपा की सरकार थी। इनकी सरकारों में प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंदी के कगार पर थे। डॉक्टर्स ही नहीं थे। आज मैं कह सकता हूं कि सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप एम्बुलेंस के रिस्पॉन्स टाइम में कमी आयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एक जिला एक मेडिकल कॉलेज के अभियान के तहत बढ़ रहे हैं। इस योजना के तहत 59 जिलों में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं, या बन चुके हैं। शेष 16 जिलों में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए योगी ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान नेता प्रतिपक्ष पता नही कहां गायब हो गए थे। कुछ लोग उलटे भ्रम फैला रहे थे। कभी वैक्सीन नहीं लगवाने की बात कर रहे थे तो कभी कुछ और..। चार बार इनकी सरकार रही है। मैं नहीं कहता। पूरी दुनिया कहती है कि सपा के शासनकाल में हर क्षेत्र में केवल अवमूल्यन ही हुआ, नुकसान ही हुआ। इन तथाकथित समाजवादियों ने ही प्रदेश का सबसे ज्यादा नुकसान किया। सपा के नेता को सच बोलने की आदत डाल लेनी चाहिए।

यूपी सरकार में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल: अखिलेश

लखनऊः सदन में मंगलवार को मानसून सत्र के दूसरे दिन समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में गरीबों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने इस दौरान कोरोना काल, सरकार की योजनाओं और स्वास्थ्य व्यस्था पर सवाल खड़ा करते हुए योगी सरकार को घेरा और बिना नाम लिए स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर हमला बोला। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार कहती है कि हमारी योजनाएं विश्व स्तर की हैं लेकिन यूपी में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत खराब है। डॉक्टरों ने इलाज से हाथ खड़े कर लिए

हैं। अस्पताल में लापरवाही से लोगों की जान जा रही है। कन्नौज में अस्पताल में कुत्ते ही कुत्ते दिखे हैं। कोरोना के वक्त की दुर्दशा को भूला नहीं जा सकता है। अस्पतालों में दवाइयां और मशीनें नहीं हैं। सरकार बताए कितनी मशीनें खरीदी गई हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि गरीब मरीजों को सुविधा नहीं मिल रही है। लोगों को इलाज के लिए दिल्ली जाना पड़ रहा है। लगता है दिल्ली वाले मदद नहीं कर रहे हैं। झोला छाप डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। मरीज चारपाई पर जा रहे हैं। लोग बोल रहे हैं कि मंत्री अस्पतालों में जाते हैं और केवल छापा मारते हैं। केवल छापामार मंत्री बनोगे या कुछ काम भी करोगे। अस्पतालों में पानी भरा हुआ है। ये सरकार डबल इंजन का होने का दावा करती है, लेकिन मंत्रियों के पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री को बजट नहीं दिया जा रहा है। छापामार मंत्री के छापों का क्या असर हो रहा है। ये सरकारी अस्पतालों को बंद करने की साजिश है। सरकार के पास स्टाफ की कमी है।

ये निजीकरण के कारण सरकारी संस्थान बंद करना चाहते हैं। सरकार निजीकरण का रास्ता अपना रही है। मरीज ठेले पर अस्पताल जा रहे हैं, एंबुलेंस कहां हैं? नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के सदन में उठाए स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के सवालों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जवाब दिया।

एमएमएस कांडः आरोपी लड़की के 12 फुटेज मिले

इन्हीं से ब्लैकमेल करके उससे बाकी लड़कियों के वीडियो मांगे गए थे

चंडीगढ़ः पंजाब के चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी विडियो लीक मामले में आरोपी छात्रा के मोबाइल से 12 और वीडियो मिले हैं। यह वीडियो उसके ही निकले। इन्हीं वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था। जिसमें उससे यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली दूसरी छात्राओं के नहाते हुए वीडियो मंगवाए गए। इस मामले में पुलिस आरोपी छात्रा, उसके शिमला के ब्वॉयफ्रेंड सन्नी मेहता और दोस्त रंकज वर्मा को गिरफ्तार कर चुकी है। इनके मोबाइल और आरोपी छात्रा का लैपटॉप भी जब्त कर फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। उन्हें 7 दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। यह भी खुलासा हुआ है कि ब्लैकमेलर्स के मोबाइल से दिल्ली, मुंबई और

गुजरात में लगातार कॉलिंग हुई। जिससे इनके किसी बड़े नेटवर्क से जुड़े होने का शक है।

अपने वीडियो ब्वॉयफ्रेंड सन्नी को भेजेः पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी छात्रा ने अपने यही वीडियो ब्वॉयफ्रेंड सन्नी मेहता को भेजे। सन्नी ने इसके बारे में रंकज को बताया। जिसमें मोहित नाम के एक और आरोपी का नाम उजागर हुआ है। आरोपी छात्रा की गिरफ्तारी के तुरंत बाद भी उसके मोबाइल से उसी का एक अश्लील वीडियो मिला था। पुलिस ने आरोपी छात्रा और गिरफ्तार किए गए उसके दो दोस्तों को मोहाली की कोर्ट में पेश कर 7 दिन के रिमांड पर लिया है।

कर्नाटक में आईएसआईएस से जुड़े 3 संदिग्ध गिरफ्तार

शिवमोग्गाः कर्नाटक में शिवमोग्गा पुलिस ने 3 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि तीनों आईएसआईएस से जुड़े हुए थे। ये राज्य में विस्फोट करने की योजना बना रहे थे। संदिग्धों की पहचान शारिक, माजी और सैयद यासीन के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार हुए तीनों संदिग्ध आईएस (आईएसआईएस) के लिए काम करते हैं। ये आतंकी संगठन के निर्देशों पर राज्य में विस्फोट करने की योजना बना रहे थे।

हिजाब विवादः 'यह इस्लाम में अनिवार्य नहीं'

नई दिल्लीः हिजाब विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को आठवें दिन सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। कुछ ऐसे इस्लामिक देश हैं, जहां हिजाब का विरोध हो रहा है और महिलाएं इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। कोर्ट ने पूछा- किस देश में? इस पर एसजी बोले- ईरान में। इससे साबित होता है कि हिजाब पहनना इस्लाम में जरूरी नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी। ईरान में सिर न ढंकने के आरोप में पुलिस ने 22 साल की महसा अमीनी को कस्टडी में ले लिया था। महसा कुर्द मूल की थीं। हिरासत में ही वे कोमा में चली गईं और 16 सितंबर को उनकी मौत हो गई। इसके बाद महिलाओं का गुस्सा भड़क गया। महिलाओं की मांग है कि हिजाब को अनिवार्य की जगह वैकल्पिक किया जाए। उनका कहना है कि हिजाब की वजह से वे क्यों मारी जाएं। मॉरल पुलिसिंग का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की फायरिंग से 5 लोगों की मौत हो गई। 80 से ज्यादा घायल हैं। ईरान में मॉरल पुलिसिंग के खिलाफ महिलाओं के प्रदर्शन की पूरी खबर यहां पढ़ें...

वेदशाला में धोती पहन सकते हैं, लेकिन शिक्षण संस्था में यह ठीक नहींः मेहता ने कहा कि किसी वेदशाला या पाठशाला में कोई धोती पहन सकता है, लेकिन सेक्युलर शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक पहचान दिखाने वाली ड्रेस पहनने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मेहता ने आगे कहा कि मान लीजिए कल को बार काउंसिल ऑफ इंडिया तिलक पर पाबंदी लगा दे, तो यह तब तक जारी रहेगी, जब तक कोई साबित न कर दे कि यह अनिवार्य धार्मिक रस्म है। तिलक के मामले में कहा जा सकता है ।

पूर्व एमएलए ने दी संसद भवन उड़ाने की धमकी, गिरफ्तार

भोपालः मध्यप्रदेश के पूर्व विधायक किशोर समरीते को नए संसद भवन (सेंट्रल विस्टा) को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। समरीते ने लोकसभा-राज्यसभा के सिक्योरिटी जनरल को एक बैग में धमकी भरे पत्र के साथ जिलेटिन रॉड (विस्फोटक) भेजकर संसद भवन उड़ाने की धमकी दी थी।

दिल्ली क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि समरीते को सोमवार को भोपाल के कोलार में ऑर्चड पैलेस से अरेस्ट किया गया। आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट और लोकसभा अध्यक्ष को भी धमकी भरे पत्र भेजे थे। समरीते बालाघाट की लांजी विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। उन पर नक्सलियों से साठगांठ के भी आरोप लग चुके हैं।

30 सितंबर को संसद भवन उड़ाने की दी धमकीः एक हफ्ते पहले संसद भवन में सिक्योरिटी गार्ड को एक बैग मिला था, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की कॉपी, जिलेटिन रॉड और एक पत्र था। इस पत्र में लिखा था- यदि हमारी 70 सूत्रीय मांगें पूरी नहीं हुईं तो सेंट्रल विस्टा को बम से उड़ा देंगे।

यह परिवार बढ़ाने के लिए है, बच्चे की कस्टडी से जुड़े केस की सुनवाई में की टिप्पणी

शादी सिर्फ शारीरिक सुख के लिए नहीं: हाईकोर्ट

चेन्नईः मद्रास हाईकोर्ट ने शादी और बच्चों की परवरिश को लेकर अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट का कहना है कि शादी सिर्फ शारीरिक सुख के लिए नहीं होती, बल्कि लोग अपना परिवार आगे बढ़ाने के लिए इस पवित्र बंधन में बंधते हैं। शादी के बाद जन्म लेने वाला बच्चा पति-पत्नी को जोड़ने का काम करता है, इससे उनका रिश्ता मजबूत होता है।

मां-बाप का बच्चों संग रिश्ता कभी खत्म नहीं होता

जस्टिस कृष्णन रामास्वामी ने एक वकील दंपति के बीच बच्चे की

कस्टडी के केस पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पति-पत्नी के बीच प्यार खत्म हो सकता है, उसका रिश्ता भी खत्म हो सकता है, लेकिन माता और पिता के रूप में बच्चे के साथ उनका रिश्ता खत्म नहीं होता। चाहे कोई महिला या पुरुष दूसरी या तीसरी शादी भी क्यों न कर ले, लेकिन बच्चों के लिए वह हमेशा माता-पिता ही रहते हैं।

महिला ने कहा- पति बच्चे से मिलने नहीं देताः रिपोर्ट्स के मुताबिक, पत्नी ने कोर्ट से शिकायत की थी कि उसका वकील पति उसे बच्चे से मिलने नहीं देता। जबकि कोर्ट ने पति को बच्चे की कस्टडी देते हुए कहा था कि मां जब चाहे बच्चे से मिल सकती है। महिला ने कहा कि मेरे पति कोर्ट के निदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं।

नवाब के मदरसे से चोरी हुई थीं, एक दिन पहले गड्ढे में दबी मिली सफाई मशीन

आजम की यूनिवर्सिटी की दीवारों में चुनी थीं किताबें

रामपुरः उत्तर प्रदेश के रामपुर में आजम खान की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से मंगलवार को चोरी की हजारों किताबें मिलीं। पुलिस ने बताया कि यूनिवर्सिटी कैंपस बिल्डिंग में बनी लिफ्ट शाफ्ट में इन्हें छुपा कर रखा गया था। इसमें कई बहुमूल्य पांडुलिपियां शामिल हैं। हालांकि पुलिस ने किताबों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने रिमांड पर लिए गए दो आरोपी अनवर और सालिम की निशानदेही पर इन्हें जब्त किया। ऐसा कहा जा रहा है कि इन्हें ओरिएंटल इंटर कॉलेज से चोरी किया गया था। पहले इस कॉलेज को मदरसा आलिया लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता था। इसकी

स्थापना 1774 में नवाब रामपुर ने की थी। किताबों की चोरी को लेकर 2019 में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

किताबों के बारे में कैसे पता चलाः रामपुर पुलिस ने अनवर और सालिम को 4 दिन पहले गिरफ्तार किया था। मदरसा आलिया के प्रधानाचार्य ने पुलिस को सूचना दी थी कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से अगर इंटर कॉलेज से चोरी हुई किताबों के बारे में भी पूछा जाए। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई की तो दोनों आरोपियों ने कई खुलासे किए। साथ ही जौहर यूनिवर्सिटी के म्यूजियम की लिफ्ट के नीचे किताबें रखी होने की बात बताई।

कई किताबों के ऐतिहासिक होने का दावाः पूर्व मंत्री और नवाब खानदान से ताल्लुक रखने वाले नवाब काजिम अली खान उर्फ नावेद मियां ने जौहर यूनिवर्सिटी में बरामद हुई किताबों के ऐतिहासिक होने का दावा किया है। नावेद का कहना है कि रामपुर की जामा मस्जिद बनवाने वाले नवाब कल्बे अली खान की शायरी का दीवान जौहर यूनिवर्सिटी के सर्च ऑपरेशन में बरामद हुआ है।

डीजीसीए करेगा पंजाब सीएम को विमान से उतारने की जांच

चंडीगढ़ः पंजाब के सीएम भगवंत मान को जर्मनी में लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट से उतारने के मामले की केंद्र सरकार जांच कराएगी। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम की डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ओर से जांच की जाएगी। लुफ्थांसा एयरलाइंस से भी जानकारी मांगी जाएगी ताकि पता चल रहे कि सीएम भगवंत मान को किन कारणों के चलते फ्लाइट से उतारा गया। जर्मनी के आधिकारिक दौरे पर गए

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 17 सितंबर को वहां के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर विमान से उतार दिया गया था। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भगवंत मान उस समय नशे की हालत में थे। उनका सामान वगैरह उतारने की वजह से फ्लाइट 4 घंटे लेट हो गई। हालांकि लुफ्थांसा एयरलाइंस इससे इनकार कर चुकी है।

खबर संक्षेप

इरादतगंज में दो दिन से विद्युत हाई वोल्टेज दर्जनों के जले हजारों के उपकरण

घूरपुर। घूरपुर क्षेत्र के भीटा विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत इरादतगंज गांव में दो दिन से विद्युत हाई वोल्टेज होने की वजह से दर्जनों लोगों का हजारों का उपकरण जल गया। शिकायत के वावजूद मगंलवार शाम तक बनाया नहीं जा सका है। इरादतगंज गांव कई दिनों से खंभों में लगे बिजली तार को हटाकर केबिल लगाने का कार्य किया जा रहा है। सोमवार की सुबह अचानक हाई वोल्टेज बिजली सप्लाई आने से इश्तियाक का फ्रिज दो पंखे, रिजवान का दो पंखा, राम चंद्र यादव का फ्रिज, महमूद, सुल्तान, सरदार, मटरू, एकलाख, अशोक, पप्पू, सुमेर, आदि दर्जनों लोगों का बल्ब, पंखे, फ्रिज, कूलर आदि उपकरण जल गए। दो दिन से हालात ये है कि विजली रहने के वावजूद लोग उपकरण जल जाने की वजह से बिजली इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। लोग अंधेरे में रहने को विवश हैं। वहीं कुछ उपभोक्तओ के घर विजली इतनी कम सप्लाई हो रही है कि बल्ब भी नहीं जल रहे है। ग्रामीणों ने दो दिन से संबंधित अवर अभियंता अभय पाठक से लगातार शिकायत करते रहे वावजूद बनाया नहीं जा सका। इस बाबत अवर अभियंता अभय पाठक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि संविदा कर्मी हड़ताल पर हैं। इसलिए बनाया नहीं सका है।

सोमवार को घर से गायब युवक का नहर में मिला शव, बुझ गया चिराग

अखंड भारत संदेश

लालापुर। थाना क्षेत्र में सोमवार को घर से निकले एक युवक की लाश मंगलवार को सुबह कमला पंप नहर में मिलने से हड़कम्प मच गया। जानकारी पर लालापुर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी से परिजनों व ग्रामीणों में कोहराम मचा हुआ है। लालापुर थाना क्षेत्र के गोइसरा गांव निवासी सीमा सुरक्षा बल में तैनात हवलदार बबलू मिश्र का इकलौता पुत्र कुशाग्र उर्फ साहेब लाल उम्र 23 वर्ष सोमवार शाम घर से मां को बता कर निकला की दोस्तों के साथ जा रहा हूं रात में देर से घर आऊंगा। कुशाग्र जब रात में घर नहीं लौटा तो मंगलवार की सुबह परिजन लालापुर थाने पहुंचकर गुमसुदगी की शिकायत की। उधर लालापुर पुलिस को सूचना मिली की मनकामेश्वर धाम जाने वाली पुलिया के समीप नहर के पानी में तेल बह रहा है पुलिस पहुंची और नहर के पानी में तलास किया तो एक बाइक थी जिसको ग्रामीणों की मदत से बाहर निकाला गया। नंबर प्लेट से बाइक के मालिक की तलाश की गई बाइक कचरा गांव के एक व्यक्ति की निकली। जब उस

आठ घण्टे के बाद जा मिली लाश दो किलोमीटर दूर

व्यक्ति की तलाश शुरू की गई तो वह अमिलिया तरहार स्थित महिला अस्पताल से बरामद किया गया। उससे पूछताछ हुई तो बताया की कुशाग्र मेरे साथ था परंतु रात में मैं सो गया वह कब हमारी बाइक लेकर गया मुझे पता नहीं है। कुशाग्र के डूबने की आशंका को देखते हुए पुलिस कमला पंप कैनाल में चल रहे पानी को बंद कराकर नहर में तलाश शुरू की गायब हुए कुशाग्र उर्फ साहेब लाल का शव गिधार गांव के समीप मिल गया। शव मिलने की सूचना जब कुशाग्र उर्फ साहेब लाल के परिजनों को हुई तो मौके पर पहुंच गए घटना देख सभी के होश उड़ गए और सभी रोने विलखने लगे । पुलिस ने शव को बाहर निकाल कर पंचनामा की कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बुझ गया घर का चिराग...

लालापुर। सीमा सुरक्षा बल में हवलदार के पद पर तैनात बबलू मिश्र की एक बेटी और एक बेटा कुशाग्र उर्फ साहेब लाल थे । बेटी की शादी हो चुकी है। साहेब लाल घर पर ही रहकर पढ़ाई किया करता था । साहेब लाल की मौत होने से घर का चिराग बुझ गया। कुशाग्र की शादी चार वर्ष पूर्व निशा देवी से हुई थी।जो शहर के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा मित्र के रूप में तैनात है।

जहरीली जंतु के काटने अधेड़ महिला की हुई मौत

रत्योरा। स्थानीय थाना कोरांव बरहुला गांव के रहने वाली महिला की मंगलवार रात्रि करीब 2:00 बजे जहरीली जंतु के काटने से अधेड़ महिला की मौत हो गई। मिली जानकारी अनुसार कोरांव थाना क्षेत्र के बरहुला गांव निवासिनी तेतरा देवी पत्नी इंद्रजीत सिंह मंगलवार की रात लगभग 2बजे बाहर उठी हुई थी ।घर के बाहर की जहरीली जन्तु काट लिया और परिजनो से बताया की कुछ दंश लिया है ।परिजनो के समझ नहीं पाई कि जहरीले जंतु ने काटा थोड़ी देर बाद जब उल्टी होने लगा तो घर वालो ने आनन-फानन में बरौंधा दवा पिलाने के लिए ले गए तब तक शरीर में काफी जहर फैल चुका था।आराम न मिलने पार परिजनो ने अस्पतालों के चक्कर लगाएं लेकिन हर जगह से निराशा वापस हुए हैं और लगभग सुबह 7:00 बजे मृत्यु हो गई ।मृतका के दो लड़का और चार लड़की है जिसमें एक लड़का और तीन लड़की का विवाह हो चुका है दो बच्चे राम जी और रूपा अविवाहित हैं। मृत की खबर सुनते ही पूर्व प्रमुख राम अवध कुशवाहा ग्राम प्रधान व लेखपाल मृतक के घर पहुंच कर रोते बिलखते परिवार को ढाढस बंधाया और हिंदू रीति रिवाज के अनुसार दाह संस्कार करने को कहा और हर संभव मदद का आश्वासन दिया ।परिजनो में मातम छाया रहा।

न्यूज झरोखा

सेवा सप्ताह के चलते कार्यकताओं ने लगाई झाड़ू

सहसों। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाई जा रही सेवा सप्ताह अभियान के तहत मंगलवार को सहसों स्थित राम जानकी मंदिर के परिसर में भाजपा मंडल सहसों द्वारा कार्यकताओं ने झाड़ू लगाकर साफ सफाई अभियान चलाया। सफाई अभियान की अगुवाई करते हुए भूमि विकास बैंक फूलपुर के अध्यक्ष एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह एवं प्रमुख सहसों गीता सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक सेवा सप्ताह के रूप में चलाया जा रहा है। जिसमें सेवा सप्ताह के हर दिन नए सेवा स्वच्छता, जल संचयन जैसे आदि अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, अनिल कुमार सरोज, रमेश कुमार द्विवेदी, जय प्रकाश द्विवेदी, चंद्रेश कुमार केसरवानी, राजधर द्विवेदी, संजय सिंह, पवन कुमार शुक्ला, महेश सिंह, सूर्यमणि पांडे, रमेश पटेल, संतोष सिंह, नंदलाल, पुष्कर सिंह, बृजेश कुमार, राजेश सरोज, अमन सिंह राजपूत, मुकेश दूबे सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निरीह व असहायों की मदद करना पुनीत कार्य : राजा बाबू

सहसों। सामाजिक एवं मानविक दृष्टि से असहाय लोगों को सहायतार्थ समाज के सक्षम व्यक्ति को निरीह व असहाय लोगों की मदद कर पुण्य के भागीदार बनना चाहिए। उक्त बातें उमरीमय टटिहरा गांव में साई मंदिर के स्थापना दिवस पर गोपाल कृष्ण द्विवेदी राजा बाबू ने गरीब व असहाय लोगों को वस्त्र दान करते हुए कही। उन्होंने कहा सामाजिक समरसता के लिए एक दूसरे की मदद कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि मदन मोहन मिश्र ने कहा हर व्यक्ति के अंदर ईश्वर का अंश है उसकी सेवा व मदद आवश्यकतानुसार करने से ईश्वर की कृपा बरसती है। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ अरुण कुमार मिश्र ने कहा सक्षम व्यक्ति को संकल्पित होकर लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। जिला होम्योपैथिक अधिकारी प्रतापगढ़ डा. आशुतोष मिश्रा ने कहा समाज के कमजोर लोगों को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको सदैव कुछ न कुछ सामाजिक कार्य करते रहना चाहिए। इस मौके पर चार दर्जनों गरीब तथा असहाय महिला एवं पुरुष को वस्त्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में साईं बाबा की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात प्रसाद का वितरण भी हुआ। इस अवसर पर अशोक मिश्रा, संतोष जायसवाल, संतोष मिश्रा, राजकुमार मिश्रा, आनंद मिश्रा, साधू पटेल आदि उपस्थित रहे।

बारिश में गरीब का आशियाना जमीदोज, एसडीएम से फरियाद

करछना। ब्लॉक करछना के ग्राम पंचायत धरवारा के मजरा खेक्सा गांव निवासी लल्लू शर्मा का जर्जर व कच्चा खपरैल घर सोमवार की रात्रि में बारिश के चलते गिर गया । जिससे परिजन बेघर हो गए । और खुले आसमान के नीचे आ गए । जिससे परिवारी जन चिंतित व मायूस हैं। पीड़ित परिजनों के मुताबिक घर गिरते समय हुई तेज ध्वनि से परिवार के लोग घर से तुरंत बाहर हो गए थे। ग्राम पंचायत धरवारा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरू सिंह की ओर से करछना तहसील प्रशासन को मंगलवार को इसकी सूचना दी गई। इसी प्रकार भडेवरा गांव निवासी किसान शिवबरन का पशु शाला भी बारिश की भेंट चढ़ गया। सोमवार की रात्रि में हो रही बारिश से कच्चा खपरैल पशुशाला किसान का ढह गया। जिसमें रखे भूसा आदि सब नष्ट हो गए।

छतौना में मृत दोनों बच्चों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त किया

प्रतापपुर। सरायममरेज थानांतर्गत छतौना गांव में विगत शुक्रवार को बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवार भीगकर गिर गई थी। दीवार के पास खेल रहे 5 वर्षीय अमित शर्मा पुत्र मंगला प्रसाद शर्मा व 4 वर्ष की श्रेया शर्मा पुत्री अभयराज शर्मा के उपर कच्ची दीवार गिरने से मौके पर मौत हो गई थी। बच्चों की मौत की सूचना पर प्रतापपुर विधानसभा से पूर्व बसपा प्रत्याशी इंजीनियर घनश्याम पांडेय छतौना गांव पहुंचे और मृतक बच्चों के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया एवं आर्थिक सहयोग भी किया।आस पास रह रहे बेघर लोगों को भी आर्थिक सहयोग किया एवं सरकार की योजनाओं के तहत आवास दिलाने हेतु आश्वासन दिया है। छतौना गांव में ऐसे बहुत लोग हैं जिनके पास खुद को रहने के लिए छत नहीं है घांस फूंस का छप्पर बनाकर एवं प्लास्टिक का तिरपाल डालकर जीवन यापन कर रहे हैं।इस अवसर पर अरविंद विश्वकर्मा जिला पंचायत सदस्य, डिंपी पांडेय, संतोष सिंह, विकास यादव बीडीसी सहित तमाम ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जल निकासी का दंश झेल रहे कोरांव नगरवासी

अखंड भारत संदेश

सड़कों पर जलभराव से स्कूली छात्रों की हो रही फजीहत

रत्योरा। नगर पंचायत कोरांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से थोड़ी सी बरसात में सड़कों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। नाले और नालियां चोक होने से बाजार के व्यापारी भी बदबू व दुर्गंध से त्रस्त हैं। कोरांव बाजार के गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज के सामने से मांडा वाली रोड को जोड़ने वाली सड़क पर थोड़ी ही बरसात में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिससे स्कूली बच्चों को भी आने जाने में बेहद असुविधाएं होती हैं। स्कूल जाना हो या आना हो बच्चों के जूते व मोजे भीग जाते हैं। इस तरह से स्कूली छात्रों की बड़ी फजीहत देखी जा रही है। नन्हे-मुन्ने स्कूली बच्चों एवं छात्र छात्राओं को सड़क पर बह रहे नालों के गंदे पानी से इन्फेक्शन का भी डर बना रहता है। यह तो महज एक बानगी है नगर के अधिकांशतः हिस्सों में मौजूदा समय के हालात हैं कि नालियां चोक हैं और थोड़ी सी ही बरसात में लोगों के घरों में गंदा पानी घुस जाता है। गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज के सामने वाले मार्ग से राज शिशु शिक्षा सदन, एसबी कंप्यूटर एकेडमी, ज्ञान गंगा कोचिंग समेत कई शिक्षण संस्थान स्थित है। जहां पूरे दिन छात्र-छात्राओं का आना जाना लगा रहता है। उन्हें कीचड़ से ही होकर आना जाना पड़ रहा है लेकिन जिम्मेदार इस विषम समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। इसी प्रकार थाना मुख्यालय से लेडियारी रोड तिराहे को जोड़ने वाली सड़क की भी हालत खस्ताहाल है। उक्त सड़क पर हमेशा नालियों एवं नालों का गंदा पानी बह रहा है। इस रास्ते पर शिशु स्टडी निकेतन जूनियर हाई स्कूल, आर्यावर्त एकेडमी, कमल मेमोरियल पब्लिक स्कूल, गुरुकुल पब्लिक स्कूल संचालित हो रहे हैं। सड़क पर बने जानलेवा गड्ढों में नन्हे-मुन्ने बच्चे गिरकर चोटिल हो रहे हैं। किसी का कपड़ा खराब हो जाता है तो किसी का बैग भीग जाता है 2 वर्ष से उक्त सड़क की यही हालत बनी हुई है।

पत्रकार के उपर हमला करने वाले खुलेआम घूम रहे

प्रतापपुर। सरायममरेज थानांतर्गत राचनपुर बघेड़ी गांव निवासी अकेला टाइम्स न्यूज पेपर के प्रधान संपादक आरपी शुक्ला के घर मे एक हफ्ते पूर्व घुसकर मारपीट करने वाले गांव के आधा दर्जन नामजद अभियुक्तों को सराययमरेज पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और लगातार मुकदमा वापसी हेतु दबाव बना रहे हैं और फोन पर जान से मारने कि धमकी भी दे रहे है।पुलिस अभी तक गिरफ्तारी नहीं कर सकी कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है क्योंकि हमला करने वाले खुलेआम घूम रहे है जिससे पत्रकार एवं उनके बड़े भाई सालिगराम शुक्ला एवं परिजन डरे सहमे है मनबढ़ो द्वारा अभद्रता एवं अपमानित किया जा रहा है कि जो करना है कर लो पुलिस मेरा कुछ नहीं कर सकती। पत्रकार आरपी शुक्ला ने कहा यदि सराययमरेज पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी तो उच्चाधिकारियों को मामले को अवगत कराऊंगा।

ग्राम्य विकास और निस्पछ जन सेवा में समर्पित : शहजादे

अखंड भारत संदेश

ग्राम पंचायतों और उनके मुखिया के सहयोग हेतु संगठन होगा सक्रिय

प्राथमिक विद्यालय तथा मनरेगा से बनाई जा रहीं लंबी चौड़ी सड़कें।

पसना/कोरांव अखिल भारतीय प्रधान संगठन उत्तर प्रदेश प्रयागराज मंडल के मंत्री और ग्राम पंचायत अल्हवा ब्लॉक कोरांव प्रयागराज के ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी ने ग्राम पंचायत के समग्र विकास एवं जनहित में निस्पक्षता पूर्वक कार्य करने में विश्वास रखने की अपनी वचन वध्ता दोहराई। श्री सिद्दीकी उर्फ शहजादे एक प्रेस प्रतिनिधियों से एक वार्ता के दौरान उक्त बातें कहीं ग्राम प्रधान अल्हवा और संगठन के प्रयागराज मंडल मंत्री शहजादे ने कहा कि अल्हवा ग्राम सभा को दस पंद्रह साल तक पूर्व प्रधानों ने ज्यादातर कागजी विकास किए,किंतु जमीनी स्तर पर कोई खास विकास नहीं की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में सबसे कौन ऐसी समस्या या विकास कार्य श्रमिकों किसानों नागरिकों को जरूरी है उन्हे सूची बध करके क्रमशः कार्य शुरू कर दिया है। और संघर्ष कर के ग्राम्य विकास की एक न एक कार्य योजना को अंजाम दिया जा रहा है। प्रधान लीडर ने कहा कि गांव में जितनी भी चक्रोड,रास्ते हैं उन्हें मार्गों को निर्मित कराया जाना है। इस दिशा में काम तेजी से चल रहा है। एक मार्ग पक्की रोड रज्जब के घर से प्रस्तावित मनरेगा पार्क और अस्पताल से होते हुए चोधिरिया होते हुए मगरदहा नदी तक 1021 मीटर लंबी और 22 फिट चौड़ी कच्ची सड़क का निर्माण कार्य तिव्र गति से जारी है। और वहीं से 600 मीटर करीब बैकुंठ धाम तक भैंसहवा नाला तक प्रस्तावित और वित्तीय और तकनीकी स्वीकृत युक्त 19 लाख की लागत का चेक डैम स्थल तक 600 मीटर लंबाई और 15 फिट चौड़ी कच्ची सड़क का निर्माण कार्य और एक बंधा का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। साथ ही अब तक कई मार्गों का कच्चा पक्का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। और निमार्णाधीन हैं। तथा काफी प्रोजेक्ट विचाराधीन हैं। प्रधान के अनुसार ग्राम सभा में पक्की मार्गों के नष्ट हो जाने तथा दो किलो मीटर तक मार्गों के खराब होने से आवागमन बाधित होने से जनप्रतिनिधियों को प्रस्ताव दिए गए हैं। अलहवा और ग्राम जमुआ धूंस आने जाने के लिए दोनों गांवों की दूरी कम करने के लिए सेवटी नदी नाला पर एक पुलिया रपटा के निर्माण का प्रस्ताव दिया गया है। जिसकी लोक निर्माण विभाग ने पैमाईश भी करा ली है। ग्राम प्रधान ने बताया कि अलहवा में कई मार्गों,चबूतरों,तालाबों के काया कल्प सुंदरी करण,विवाह घर, कूड़ा घर,सामू दाइक शोंचालय,मिडिल स्कूल,आंगन बाणी केंद्र भवन,अस्पताल,पार्क, अल्हवा के नदी में बने दो चेकडैम की मरम्मती करण,साफ सफाई,विद्यालयों के काया कल्प वगैरह के कार्य कराए जाने है। ग्राम प्रधान ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में कोटेदार के भ्रस्त्रचार की शिकायत पर गंभीरता से एक्शन लिया है।और उसे बचाने वाले गांव के कुछ तत्वों और आपूर्ति विभाग के अफसरों के विरुद्ध उच्चस्तरीय शिकायतें की है,और जब तक उक्त भ्रष्ट अफसरों और कोटेदार के गलत और गरीबों के खाद्यान्न का गबान करने वालों और साथ देने वालों को चिन्हित कर दंडित नहीं करा लेते तब तक बैठने वाला नहीं। एसडीएम कार्यालय कोरांव द्वारा गठित जांच टीम की रिपोर्ट पर कोटेदार अल्हवा के विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गांव की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वाले लोग सभी भ्रष्ट कोटेदार का सहयोग कर रहे हैं। उन्हे भी अब होशियार हो जाना चाहिए। मार्ग रास्ते सरकारी खलिहान तालाब आदि की जमीनों पर अवैध कब्जे करने और उल्टा चोर कोतवाल को डाटे की कहावत को चरितार्थ करने वाले बक्से नहीं जायेंगें। प्रधान के अनुसार मार्ग पीडब्ल्यूडी की भूमि संख्या 280 क और पुराने तालाब की जमीनों पर कब्जा करने वालों की राजस्व टीम को पैमाईश कर अतिक्रमण कताओं के विरुद्ध विधिक ध्वस्तीकरण कार्यवाही का आदेश हो गया है। अहद अहमद सिद्दीकी प्रधान लीडर ने बताया कि ग्राम सभा में जितने भी निरा भूमिहीन गरीब मजदूर और मामूली भूमि के कस्तकार हैं,सभी वर्ग को पात्रता के अनुसार बंजर,नवीन परती की सारी जमीनें कुछ सरकारी निर्माण कार्य आदि विकास हेतु छोड़ कर सभी अब्सेश जमीनें आवंटित कर दी जाएगी। जिससे हर गरीब किसान मजदूर बेरोजगार को पीएम आवास का लाभ आने वाले समय में मिल सके और प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि की राशि का दो दो हजार की किश्तों का लाभ भी मिलता रहे। अवशेष नदी नाला रास्ते,आदि की कृषि कार्य का लाभ उठाने वालों के बजाय पात्र लोगों को वृक्षारोपण कार्य आदि हेतु आवंटन किया जा रहा है। जिससे गांव में हरियाली पर्यावरण,को बढ़ावा मिल सके। ग्राम प्रधान शहजादे ने बताया कि ग्राम सभा में मैने ऐसा कोई कार्य विकास जन सहयोग के अतिरिक्त नहीं किया है कि जनता दुखी हो,और नाराज हो। नाराजगी सिर्फ इस बात की है कि उक्त व्यक्ति, पत्रकार,ग्राम प्रधान कैसे बन गया। कोटेदार अल्हवा ने भी कई विपक्षी गुटों द्वारा प्रधान की हत्या कराने,परेशान कराने के लिए काफी लोगों से खनन,माफियाओं आदि से चंदे वसूल करके उक्त धन से हत्या कराने आदि,देवघाट ग्राम में स्थित मकानों को गलत पैमाईश के आधार पर गिरवाने की कोशिशें की जा रहीं है। जब कि भू स्वामी उक्त विवादित प्लॉट दया शंकर विश्वकर्मा द्वारा डीएम कोर्ट के यहां धारा 28 नकसा दुरुस्तीकरण में केस वर्ष 2013 से ही विचाराधीन है। इसमें तत्कालीन एसडीएम कोरांव के भी विरुद्ध शिकायत जांच हुई और स्थांतरित प्रसासन ने किया। प्रधान ने बताया की विद्यालय अलहवा में तैनात अध्यापकों द्वारा आए दिन अवकाश पर रहने के कारण बच्चों के भविष्य चौपट होते देख विभागीय अधिकारियों और डीएम साहब को कार्यवाही हेतु पत्राचार कर दिया है।

एम एल सी सुरेंद्र चौधरी ने बंद पड़ी कताई मिल का उठाया मुद्दा

मऊआइमा। एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने नियम 115 के तहत प्रमुख सचिव विधान परिषद को पत्र लिख कर हजारों बुनकरों की रोजी रोटी का मुद्दा उठाया है। तथा खाली पडी जमीनों पर (एम एस एम आई) को सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्योगों के कारखाने स्थापित करने की मांग की है। एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी ने प्रमुख सचिव विधान परिषद को पत्र लिख कर सोरांव विधानसभा क्षेत्र में आने वाले दो दशकों से बंद पडी मऊआइमा सहकारी कताई मिल का मुददा उठाते हुए। कहा है कि करोडों की विदेशी मशीनें नष्ट हो गई है। और भ्रष्टाचार की भेंट पूर्ववर्ती सरकारों में हुई है। ऐसे में मऊआइमा सहकारी कताई मिल की खाली पडी जमीनों पर (एम एस एम आई) के जरिए विभिन्न शुक्ष्य या मध्यम उधोगों को स्थापित कर दिया जाए। जिससे हजारों बुनकरों और बेरोजगारो.को रोजी रोटी मिलने लगेगी। जिससे ग्रामीण उधमिता को बढावा मिलेगा और सामाजिक आर्थिक विकास के साथ महिला सशक्तिकरण को भी बढावा मिलेगा। एम एल सी सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि दो दशकों से अधिक से बंद चली आ रही मऊआइमा कताई मिल से हजारों मजदूर दर दर की ठोकरें खा रहे हैं। खाली पडी जमीनों पर छोटे छोटे उधोग लगने से काफी हद तक बेरोजगारी दूर हो सकती है।

कवि व कलाकार हमारी लोक संस्कृति के संवाहक : पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

पुस्तक मेले में कवियों ने बांधी समां

करछना। कवियों की वाणी और उनकी रचनाएं समय-समय पर देश और समाज को जागृत करने में योगदान देती रही है।यही कवि कलाकार हमारी लोक संस्कृति के संवाहक भी हैं। क्षेत्र के जसरा स्थित ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज के सभागार में पुस्तक मेले के समापन अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में यह बातें पांच विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति और लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रोफेसर के बी पाण्डेय ने बतौर मुख्य अतिथि कही।मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण,दीप प्रज्ज्वलन और गीतकार जीतेंद्र जलज द्वारा प्रस्तुत वाणीवंदना के साथ कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। नजर इलाहाबादी ने प्रस्तुत रचनाओं में सामाजिक विकृतियों और राजनीतिक विसंगतियों पर तंज कसे।लखन प्रतापगढ़ी ने अपने काव्य पाठ के दौरान पुस्तकों के महत्व के बारे में जागृत किया तो वहीं वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शुक्ल ने कहा,-मैं स्वप्न बांटता हूं विचार बांटता हूं,यह कीमती बहुत है उधार बांटता हूं। व्यंग्यकार राधेश्याम भारती ने अपने तीखे व्यंग्य के तेवर और कविताओं में समाज में बढ़ रहे नशे को लेकर श्रोताओं को गुदगुदाया। नजर इलाहाबादी ने भी हास्य कविताओं का रंग जमाया तो वहीं आयोजक कवि संतोष शुक्ल समर्थ ने-उसी दिन से प्रगति की राह पर बढ़ता है हर बच्चा,बड़ों के पांव को जिस दिन दबाना सीख जाता है,जैसी पंक्तियों पर खूब वाहवाही लूटी।मंच का संचालन कर रहे चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने अपने छंदों मुक्तकों से लोगों को जी भर गुदगुदाया। लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव,आशीष शर्मा और चर्चित लोककलाकार श्यामलाल बेगाना ने गीत प्रस्तुत कर लोगों को भावविभोर किया।इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष अनय प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख संघ के अध्यक्ष इन्द्रनाथ मिश्र, प्रमुख जसरा अजीत प्रताप सिंह ने कवियों और कलाकारों को मंच पर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रबंधक विश्वनाथ प्रसाद गुप्त ने सभी अतिथियों का स्वागतऔर प्रधानाचार्य योगेंद्र सिंह ने श्रोताओं के प्रति आभार ज्ञापित किया।इस मौके पर अति विशिष्टअतिथि के रूप में आकाशवाणी के अधिकारी बोलता प्रसाद दिवाकर,मणिशंकर द्विवेदी, रामधनी पाठक, हरीराम त्रिपाठी, राम लखन गुप्ता,बलराम मिश्रा, शोभनाथ शुक्ला,विजय चितौरी अंबिका प्रसाद समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और श्रोता मौजूद रहे।

समाप्त होता नजर आ रहा है भटपुरा लालापुर का पांडे तारा तालाब !

अखंड भारत संदेश

बारा। बारा तहसील क्षेत्र के भटपुरा लालापुर में स्थित पांडे तारा तालाब जो कि एक बीघा 12 बिस्वा का तालाब है गांव के दबंगों द्वारा तालाब पर अवैध अतिक्रमण कर लिया गया है तालाब पटकर आधा बचा है जिसमें जलकुंभी ने अपना डेरा जमा रखा है पूरे गांव का बरसात का और पूरे साल का पानी इसी तालाब में आता है तालाब की स्थितियां हो गई है कि लोग उसके आसपास से निकलने में कतराते हैं जिसका मुख्य कारण भटपुरा गांव के कई लोगों के द्वारा शौचालय टैंक ना बनवा कर शौचालय का पूरा पानी नाली में गिरते हैं जिसके कारण मल मूत्र बहकर तालाब में आता है जिसके कारण दुर्गंध फैल रही है ग्रामीणों को कई बीमारियों का

सामना करना पड़ सकता है तालाब का स्थिति लगातार खतरे में है अगर तालाब समाप्त हो जाएगा तो गांव का पानी निकल कर कहां जाएगा अगर समय रहते तालाब को अवैध अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया गया तो ग्रामीणों को भविष्य में बहुत बड़ी संकट का सामना करना पड़ सकता है कई बार ग्रामीणों ने तहसील दिवस में अतिक्रमण की शिकायत की थी लेकिन लेखपाल और कानूनगो महोदय आते थे और खानापूर्ति करके चले जाते थे उपेक्षा का जीता जागता उदाहरण लालापुर भटपुरा का पांडे तारा तालाब।

ट्रांसफार्मर जलने से लोगों को हो रही पानी की किल्लत

जसरा। विधानसभा बारा के विकास खंड जसरा के चिल्ला गौहानी में जलनिगम का ट्रांसफार्मर महीनों से जल जाने के कारण उपभोक्ताओं को जलनिगम से मिलने वाला पानी नहीं उपलब्ध हो पा रहा था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा जलनिगम/जलकल के विधायक प्रतिनिधि आलोक पाठक से किया गया। विधायक प्रतिनिधि ने जेई पंकज मौर्या से इस बावत जानकारी दिया। प्रतिनिधि के कहने पर जेई द्वारा चौबीस घंटे में ट्रांसफार्मर बदलवा दिया गया। जिससे लोगों में हर्ष व्याप्त है। विधायक प्रतिनिधि के इस कार्य की मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला ने सराहना किया है। जिसकी हर जगह प्रसंसा की जा रही है।

खबर संक्षेप

तकनीकी खराबी से भुंडा जलापूर्ति बाधित गांव में पेयजल का संकट

करछना। ब्लॉक करछना के भुंडा गांव स्थित जल निगम की जलापूर्ति तकरीबन पखवाड़े भर से विभिन्न यांत्रिक खामियों के चलते ठप पड़ी हुई है । जिससे तकरीबन दर्जन भर गांवों में पेयजल की किल्लत से लोग जूझ रहे हैं। शिकायत के बावजूद भी विभागीय जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी लापरवाह व उदासीन बने हुए है । जिससे लोगों में जल निगम विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में भुंडा ग्राम प्रधान तिलोत्तमा देवी की ओर से शनिवार को करछना तहसील के समाधान दिवस में इसकी लिखित शिकायत भी की गई है । उन्होंने शिकायती पत्र में दशार्या है कि जल निगम का संचालन अचानक ठप हो जाने से भुंडा समेत भडेवरा भुवालपुर प्रतापपुर चंदौली तिवारी कापूरा नेवादा लक्ष्मणपुर तलिया पर आदि गांवो के लोग पेयजल के संकट से जूझ रहे हैं । तहसील के समाधान दिवस प्रभारी की ओर से जल निगम के एसडीओ को शीघ्र जांच उपरांत आख्या प्रस्तुत करने के लिए आदेश निर्देशित किया है। गौरतलब है कि उक्त जल निगम पर तैनात अधिकारी व कर्मचारी हैं इन दिनों नदारत है। जिससे लोगों में नाराजगी व्याप्त है।

ताराचंद हॉस्टल में छात्र ने लगाई फांसी, मौत

हॉस्टल के बाहर छात्र नेता व छात्रों की लगी भीड़ व मौजूद पुलिस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के ताराचंद हॉस्टल में फांसी लगाकर एक साथ में मंगलवार शाम को सुसाइड कर लिया। छात्र का नाम आशुतोष तिवारी है वह कुलभास्कर आश्रम पीजी कॉलेज का छात्र था । छात्र सुसाइड क्यों किया इस बारे में पुलिस अभी तक कुछ साफ नहीं बता पा रही है । पुलिस का कहना है कि यह बात जांच के बाद ही पता चलेगा की छात्र आशुतोष तिवारी ने सुसाइड क्यों किया । हालांकि छात्र के द्वारा फांसी लगाया जाने पर इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी फीस वृद्धि को लेकर हंगामा करते हुए यह बताने की कोशिश की कि छात्र ने फीस वृद्धि को लेकर फांसी लगाया मगर ऐसा नहीं है । अधिकारियों ने बताया की पुलिस की जांच में यह सामने आया कि उसका यूनिवर्सिटी से डायरेक्ट कोई लेना देना नही था ।

यूनिवर्सिटी में छात्रों का लगा जमावड़ा : उधर सुसाइड की सूचना के बाद हॉस्टल के बाहर बड़ी संख्या में छात्र पहुंच गए हैं पुलिस ने हॉस्टल का गेट बंद कर दिया है । तथा भारी संख्या में पुलिस फोर्स ही पहुंच चुकी है । एक छात्र नेता ने बताया कि कमरा नंबर 208 के छात्र ने खुदकुशी की है।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे एसपी : एसपी सिटी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि ताराचंद हॉस्टल में एक छात्र ने सुसाइड कर लिया है । मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की गई । शुरूआती जांच में पता चला कि मृतक का नाम आशुतोष तिवारी है वह हमीरपुर के मौदहा का रहने वाला था उसका विश्वविद्यालय से डायरेक्ट कोई लिंक नहीं था वह कुलभास्कर डिग्री कॉलेज का छात्र था।

सेमरी में दीवार गिरने से चाय बना रही वृद्ध महिला की दबकर मौत

प्रतापपुर। सरायममरेज थानांतर्गत सेमरी गांव में दीवार गिरने से एक वृद्ध महिला की दबकर मौत हो गई। सेमरी गांव निवासी अनंतराम शर्मा की पत्नी राधिका शर्मा उम्र करीब 60 वर्ष जो कि कच्चे घर के बरामदे में चाय बना रही थी बरसात से कमजोर हुई दीवार अचानक वृद्ध राधिका के ऊपर गिर गई जिसमें दबकर राधिका गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन घायल राधिका को इलाज हेतु स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल प्रयागराज ले गए जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।परिजनों ने घटना की जानकारी सरायममरेज पुलिस को दिया मौके पर पहुंचे सरायममरेज इंस्पेक्टर तरुणेंद्र त्रिपाठी द्वारा शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सूचना पर हंडिया एसडीएम रमेशचंद्र मौर्य एवं सीओ हंडिया रामसागर घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक महिला के पति अनंतराम शर्मा को दैवीय आपदा राहत कोष से 4 लाख रुपए देने की घोषणा किया।

न्यूज झरोखा

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शिक्षकों ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पांडे के नेतृत्व में प्रत्येक जिला मुख्यालय पर शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन कर अधिकारियो को ज्ञापन सौंपा। प्रयागराज के जिला अध्यक्ष अखिलेश द्विवेदी एवं जिला मंत्री प्रशांत कुमार ओझा के नेतृत्व में शिक्षकों ने सिविल लाइंस के पत्थर गिरजाघर के पास चार सूत्रीय मांग से संबंधित ज्ञापन एसीएम द्वितीय प्रयागराज को महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन सौपा।ज्ञापन के माध्यम से 4 सूत्री मांगों में पुरानी पेंशन की बहाली शिक्षामित्र अनुदेशकों का नियमितीकरण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों के विरोध से संबंधित चीजों को हटाना एवं सातवें वेतन आयोग की विसंगति को दूर करने का मुख्य मुद्दा था शिक्षकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गीता पांडे ने पुरानी पेंशन की लड़ाई को 2024 तक आर पार की लड़ाई बताया । जिला ।मंत्री डॉ प्रशांत कुमार ओझा ने समस्त शिक्षकों से अपील की पुरानी पेंशन की लड़ाई में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें उन्होंने बताया कि चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा यह आंदोलन अब राजधानी लखनऊ में होगा। कार्यक्रम का संचालन मनोज त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापित जिला उपाध्यक्ष इंद्रेश कुमार तिवारी ने किया ।कार्यक्रम में विजय यादव आलोक श्रीवास्तव इंद्रेश तिवारी सतीश तिवारी अरविंद यादव शंकर चंद्र द्विवेदी बालकृष्ण शुक्ला जितेंद्र पांडे श्रद्धा श्रीवास्तव उपासना तिवारी अनीता सरोज बालक दास सरोज उमाशंकर भारतीय शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

थाना झूंसी में पीस कमेटी की बैठक सकुशल संपन्न

झूंसी। क्षेत्राधिकारी नगर पंचम आस्था जयसवाल की अध्यक्षता में थाना झूंसी में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक में आगामी पर्व नवरात्रि, दशहरा एवं दुर्गा पूजा को लेकर चर्चा की गई। इंस्पेक्टर झूंसी वैभव सिंह ने उपस्थित लोगो से पर्व सकुशल संपन्न कराने में सहयोग मांगा। उपस्थित लोगों ने विद्युत विभाग से स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग की। नगर निगम के जोनल अधिकारी मदन गोपाल यादव से भी साफ-सफाई को लेकर चर्चा की गई। बैठक में रामलीला कमेटी झूंसी की तरफ से रामसुख यादव व विजय अग्रवाल, बब्बू प्रधान मलावा, पूर्व सभासद नाज, रानू, सियाराम मौर्य, मोहित केसरवानी, देव यादव सहित मलामा खुर्द, मलावा बुजुर्ग, कन्हिहार, छतनाग, झूंसी कोहना के छेत्र के सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

पीएम के जन्मदिवस पर निमहरा धाम में किया गया साफ सफाई

सैदाबाद। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में स्वच्छता का संदेश देते हुए सैदाबाद स्थित शक्ति पीठ माता निमहरा धाम में डॉ कार्तिकेय त्रिपाठी महामंत्री भाजपा के अगुवाई में साफ सफाई कर स्वच्छता का एक संदेश दिया गया जिसके मुख्यातिथि धनञय पान्डेय मंडल अध्यक्ष सैदाबाद रहे , वहीं उपस्थित अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, अम्बि बाबा जी , प्रतीक मिश्र, मंडल उपाध्यक्ष बिपिन मिश्र ,अध्यक्ष युवा मोर्चा सत्यम शुक्ला महामंत्री अभिषेक मिश्र, मंत्री अंभोज शुक्ला ,कार्यालय प्रभरी बिपिन मिश्र बाबा शुभम केशरवानी आदि कार्यकर्ता और पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवा पखवाडे के अंतर्गत चला सफाई अभियान

झूंसी। क्षेत्र में में सेवा पखवाडे के अंतर्गत फूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल के नेतृत्व मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अंतर्गत स्वच्छता पखवाडे का आयोजन किया गया। झूंसी बाजार मे सफाई की गई जिसमे भाजपा जिला उपाध्यक्ष किरण त्रिवेदी, मण्डल अध्यक्ष दिलीप निषाद,जिला महामंत्री मनोज निषाद,जीतलाल त्रिपाठी,जिला मीडिया प्रभारी,उषा रानी निषाद जिला मंत्री,प्रभाकर दुबे मण्डल महामंत्री,आरती अग्रवाल,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष,अनीता सिंह,मण्डल उपाध्यक्ष आरती कुशवाहा,महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष, मेनका निषाद,मोहित केसरवानी,पंकज ओझा, रामबाबू केसरवानी, गंगापार व्यापार प्रकोष्ठ, के साथ भारी संख्या मे झूंसी मण्डल के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम मे सम्मिलित हुए।

चोरी का सामान बेचने वाले दो नफर अभियुक्त गिरफ्तार

बारा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के आदेश के अनुपालन व पुलिस अधीक्षक यमुनापार के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बारा के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रशिक्षु विजय पांडे उप निरीक्षक कौशलेंद्र बहादुर सिंह मय हमराह कांस्टेबल अभिषेक यादव कांस्टेबल धर्मेंद्र मौर्य के द्वारा लगातार तलाश एवं दबिश देने के क्रम में मुखबिर की सूचना पर स्थानीय थाना पर पंजीकृत मुकदमा आमद संख्या 166/2022 धारा 457/380 भारतीय दंड विधान से संबंधित चोरी किए गए सामान को बेचने वाले अभियुक्त गण विजय उर्फ भइयन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम छीड़ी थाना बारा जनपद प्रयागराज नरेश सोनकर पुत्र मीरू उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम छीड़ी थाना बारा प्रयागराज को थाना क्षेत्र अंतर्गत गोंदलापुर मोड़ पर समय करीब 12:30 बजे गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार किए गए अभियुक्त गणों के पास से 2 बोरी में 3 बड़े बेलन व छह छोटे बेलन लोहा व दो अदद प्लेट लोहा व एक लोहे का बड़ा टुकड़ा मशीनरी पार्ट्स व 4 अदद बड़े नट बोल्ट व जामा तलाशी में दोनों से अलग-अलग ?700 व ?800 बरामद कर गिरफ्तार किए गए अबे गानों पर विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

सीओडी छिवकी के कर्मचारियों ने क्रासिंग पर लगाया जाम

कई ट्रेनें हुई बाधित, रोजाना रेलवे फाटक बंद होने से घंटो लगता है जाम

नैनी। क्षेत्र के दुबराजपुर रेलवे क्रासिंग पर मंगलवार की सुबह रेलवे फाटक बंद होने से नाराज सीओडी छिवकी के कर्मचारियो ने हंगामा किया। उनका आरोप है कि रोजाना रेलवे फाटक बंद होने उन्हें आफिस जाने में देरी हो जाती है जिससे लगभग 300 कर्मचारियो का देरी से पहुंचने पर तनख्वाह कट जाती है। मंगलवार को भी दुबराजपुर (छिवकी) रेलवे फाटक बंद होने से जाम लग गया। जिससे नाराज कर्मचारियो ने क्रासिंग पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर पहुंचे आरपीएफ व रेलवे के अधिकारियों ने सीओडी से अधिकारियों से बात कर जाम समाप्त कराया। लगभग 40 मिनट जाम से कई ट्रेनें बाधित हुई।

तेरही में गए युवक को पीट कर किया लहूलहान

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में एक युवक को कुछ लड़कों ने उस वक्त पीट कर अधमरा कर दिया जब वह गांव में ही एक तेरही कार्यक्रम से अपने घर लौट रहा था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जमुनीपुर गांव के धर्मराज बिंद उर्फ ननकऊ का गांव के ही कुछ लड़कों से पुरानी रंजिश चल रही थी। सोमवार को ननकऊ गांव में ही एक तेरही में गया था। आरोप है कि लौटते वक्त प्राथमिक विद्यालय बेलवार के पास पुरानी रंजिश के चलते शुभम पांडेय, समीर पांडेय, प्रीतू, अनिल मिश्रा, अतुल मिश्रा, जोगा मिश्रा व आयूष ने ननकऊ को लाठी, डंडे से पीट कर अधमरा कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने उपरोक्त सभी के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

कार और ऑटो में भिड़ंत कई घायल

करछना। क्षेत्र के गढ़वा कला गांव के सामने मिजार्पुर प्रयागराज हाईवे पर मंगलवार रात को कार - ऑटो में आमने-सामने भिड़ंत होने से ऑटो चालक पचदेवरा निवासी बृजपाल पटेल 55 वर्ष का दाया पैर टूट गया। जबकि सोनभद्र जिले के ओबरा निवासी राजकुमार गौतम वह उसकी पत्नी पूजा गौतम चालक रितेश बंसल को भी मामूली चोटें आ गई। हादसे में दोनों वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंची इलाकाई पुलिस ने घायल व्यक्ति को पास के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भेज दिया।

इमाम हुसैन की याद में मनाया गया चहल्लुम पर्व

अखंड भारत संदेश

कोरांव में चहल्लुम पर्व पर ताजिये जुलूस व अलम की रही धूम ,नौहाखानी व मातम कर शैदाइयों ने लुटाए लंगर

कोरांव। पैगम्बर मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत मुहर्रम पर्व के 40 दिन बीतने के पश्चात उनकी याद में शोक सब्र व शांति त्याग बलिदान के पर्व चहल्लुम की मुस्लिम बस्तियों में रही धूम, इमाम की याद में अजादारों एवं शैदाइयों ने फातिहा नियाज लँगर बांटा और ताजिये का जुलूस निकालकर हक हुसैन या हुसैन के नारों और सुन्नी इस्लामी परंपरा को निभाते हुए मातम नौहा पढ़कर गम मनाया। हजरत हुसैन की शहादत की याद में सुन्नी परंपरा के मानने वालों ने चहल्लुम पर्व पर कस्बा कोरांव समेत सभी मुस्लिम बस्तियों में मजलिस सजाई और हुसैन के कसीदे पढ़े, साथ में जिक्र ए सोहदाए कर्बला रूपी जलसे आयोजित कर उनके बताए रास्ते पर चलने का वचन लिया। क्षेत्र के कपुरी, बड़ोखर, छड़ीगड़ा, महुली, देबघाट, गोबरी खजुरी, कोसफरा, सीकी, लेडियारी बजार, खीरी, अमिलिया, अल्हवा, संसारपुर, हनुमानगंज, पैतिहा, झलमल, सेमरिहा, कूदर, कोइलरिहा, आदि गांव की मुस्लिम बस्तियों में ताजिया बनाई गई और इमाम की याद में ताजिये का जुलूस निकालकर चहल्लुम पर्व मनाया और ढोल नगाड़े मातम करते हुए ताजिया का मिलन किया गया । वर्षों से चली आ रही ताजिया बनाकर जुलूस निकालकर चहल्लुम मनाने की परंपरा को हुसैन के अनुयायियों ने जुलूस के शक्ल बनाकर ताजिया मिलन स्थल पर चहल्लुम मेला आयोजित किया और अजादारों द्वारा इमामबाड़े पर फातिहा पढ़कर दुआएं मांगकर हुसैन के सदके में ताजिये का फूल कर्बला में दफन किया। थाना पुलिस कोरांव पूरी तरह से चौकन्ना नजर आयी शांति पूर्वक जूलूस निकलवाने में ताजियादारों व इमाम के कर्बला शैदाइयों की मदद की।

बारा में अकीदत के साथ निकला चेहल्लुम का जुलूस

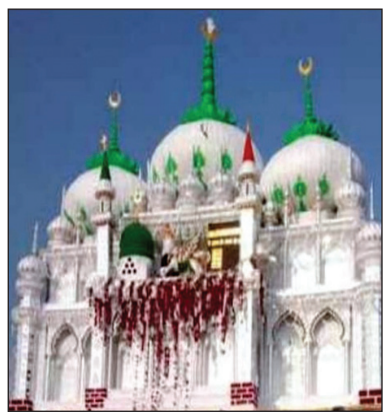

बारा। शांति और भाईचारे का प्रतीक माना जाने वाला एवं अदब की सरजमीं बारा में तहसील से कर्बला तक चेहल्लुम का जुलूस बड़ी अकीदत के साथ निकाला गया।चेहल्लुम के जुलूस में सैकड़ों मातमी अंजुमनों ने कर्बला के 72 शहीदों को मातम और सीनाजनी करते हुए पुरसा पेश किया। इस दौरान सैकड़ों की तादाद में इमाम हुसैन से अकीदत रखने वाले लोगों ने जुलूस में हिस्सा लिया। मोहर्रम के चालीस दिन बाद बारा में मंगलवार को चेहल्लुम का जुलूस निकाला गया। मातमी माहौल, नम आंखों से इमाम हुसैन को याद करते हुए लोग कर्बला पहुँचे, यहाँ नौहाख्वानी पढ़ने के बाद ताजिया दफन किये गए। मंगलवार को मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत के चालीसवें पर बारा में चेहल्लुम के ताजिये मातमी जुलूस के साथ निकाले गए।इसके पीछे-पीछे मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोग नम आंखों से इमाम हुसैन को याद करते हुए चल रहे थे। चेहल्लुम का जुलूस तहसील तिराहे से होता हुआ कर्बला पहुंचा। यहीं पर नम आंखों से नौहाख्वानी पढ़ी गई और ताजियों को कर्बला में दफन कर दिया गया।सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार, इंस्पेक्टर राजेश कुमार सचान, वरिष्ठ उपनिरीक्षक कौशलेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश पर पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पानी भरने के विवाद को लेकर घर में घुस कर महिलाओं के साथ मार पीट एंव छेड़खनी करने पर न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय अतन उर्फ नौगिरा निवासनीय एक महिला का आरोप है कि पानी भरने के विवाद को लेकर पडोसी उसके घर में घुस कर मार पीट तोड फोड करने लगे तथा मेरी जेठानी के विरोध करने पर उसके साथ अश्लील हरकतें की । और परिजनों को भी मारे पीटे। ।जिससे उसकी जेठानी बेहोश हो गई। उक्त घटना 30 जून की है। कहीं सुनवाई न होने पर न्यायालय के आदेश पर मऊआइमा पुलिस ने अजय कुमार ,खुशबू ,संगीता ,उजाला ,अवधेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अपने ही आदेश का अनुपालन नहीं करवा पा रहे हैं डीपीआरओ प्रयागराज

अखंड भारत संदेश

अनुसूचित जाति संवर्ग अधिकारी को नहीं मिल रहा है चार्ज, राजनीतिक दबाव के चक्कर में पिस रहे फरियादी, कुर्सी खाली

सोरांव। जानकारी के अनुसार विगत 25 अगस्त 2022 को प्रभारी मंत्री पंचायती राज विभाग समूह द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या 4348 में यह दिशा निर्देश दिया गया कि सभी विकास खंडों में प्रभारी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के पद पर उन्ही ग्राम पंचायत अधिकारियों का चयन हो जो सबसे ज्यादा वरिष्ठ हों,और उन्ही को वित्तीय और प्रशासनिक जिम्मेदारी दी जाए। उसी क्रम में विकास खंड हंडिया के सहायक विकास अधिकारी पंचायत राजेश मिश्रा के स्थान पर एडीओ पंचायत अखिलेश कुमार यादव को वरिष्ठ क्रम का पालन करते हुए और प्रभारी मंत्री के आदेशों का अनुपालन करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार सिन्हा ने पदासीन करते हुए जिम्मेदारी से पालन करने का आदेश भी दिए। लेकिन अभी भी उत्तर प्रदेश के बहुत से विकास खंडों में अपनी राजनीतिक पहुंच से कनिष्ठ ग्राम पंचायत अधिकारी प्रभारी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के पद पर बने हुए है। इतना ही नहीं पिछले लगभग दो वर्षो से सोरांव के ग्राम पंचायत अधिकारियों में कनिष्ठ अधिकारी राजनीतिक पकड़ से प्रभारी सहायक विकास अधिकारी(पंचायत) के पद पर आसीन है। आरोप है कि जब वरिष्ठ ग्राम पंचायत अधिकारी शासन के आदेश की बात करते है। तो उनकी आवाज दबाने के लिए किसी न किसी कार्य में कमियां दिखाकर निलंबित करवाने की धमकी दी जाती है। इसकी लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पंचायती राज विभाग, जिला अधिकारी प्रयागराज के ट्यूटर पर लिखित शिकायत भी किए हैं। जिसको लेकर विगत 16 सितंबर को डीपीआरओ प्रयागराज आलोक कुमार सिन्हा ने अपने कार्यालय के पत्रांक संख्या 5070 पर शासन के आदेश के अनुपालन के क्रम मे विकास खंड सोरांव में वरिष्ठम ग्राम पंचायत अधिकारी अखिलेश कुमार को सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के पदीय दायित्व के निर्वहन हेतु अग्रिम आदेशों तक अधिकृत किया जाता है का आदेश भी कर दिए लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते अभी भी चार्ज नहीं दिया जा रहा है। कुर्सी खाली अधिकारी नदारत राजनीति की बेदी चढ़ी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) की कुर्सी खाली होने से फरियादी दिन भर ब्लॉक का चक्कर लगाने को मजबूर है। और अंत में थक हार कर सैकड़ों रुपए बर्बाद करके फरियादी मासूम होकर वापस घर चला जाता है। जिससे लोगों में आक्रोश है।

ब्लाक प्रमुख के अविश्वास हेतु आज होगा हस्ताक्षर मिलान

ब्लॉक मुख्यालय कोरांव पर सुबह 11 बजे से शुरू होगी कार्यवाही

रत्योरा। ब्लाक प्रमुख मुकेश कोल के अविश्वास की अटकलें तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी के आदेश के बाद कोरांव के क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हस्ताक्षर मिलान की तिथि 21 सितंबर दिन बुधवार को सुनिश्चित की गई है। आज सुबह 11 बजे से कोरांव ब्लाक के कुल 158 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हस्ताक्षर मिलान की कार्यवाही ब्लॉक मुख्यालय कोरांव पर शुरू होगी। अविश्वास प्रस्ताव कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे देवघाट वार्ड 131 के क्षेत्र पंचायत सदस्य उमाशंकर सिंह पटेल ने 111 क्षेत्र पंचायत सदस्यों का हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया है। इसी क्रम में ब्लाक प्रमुख मुकेश कोल ने 101 क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अपने पक्ष में होने के बाबत हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र जिलाधिकारी को सौंपा है। ब्लाक प्रमुख और अविश्वास प्रस्ताव ला रहे क्षेत्र पंचायत सदस्यों की संख्या से अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही स्पष्ट नहीं हो सकी। जिसके बाद जिलाधिकारी ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हस्ताक्षर मिलान की कार्यवाही उप जिलाधिकारी कोरांव योगेंद्र सिंह को कराने हेतु निर्देशित किया है।

पुस्तैनी बंटवारे के मामले को शासन ने लिया संज्ञान में दिन भर गांव में डटी रहीं पुलिस और पीएसी

अखंड भारत संदेश

संक्षम अधिकारी के न? पहुचने से मामला नहीं हल हो सका- गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है

करछना। थाना क्षेत्र के रवनिका गांव में पुश्तैनी बंटवारे का मामला लंबे अरसे से विवाद के घेरे में रहा जिसका मामला राजस्व विभाग सुलझा पाने में विफल रहा जिसको लेकर एक पक्ष शासन स्तर पर मुख्यमंत्री से फरियाद की थी शासन स्तर से निर्देश पर मंगलवार को रास्ते का विवाद सुलझाने राजस्व विभाग टीम के साथ कयी थाने की पुलिस फोर्स व पीएसी बल के जवान दिन भर उक्त गांव में डटे रहे । जहां प्रशासन टीम मौके पर विरोध देखते हुए वापस लौट आई ।मजरा निवासी स्वर्गीय बैजनाथ पाल के बेटे लालधारी पाल, नेब्बू लाल,अनूपधारी, वीर बहादुर, छोटेलाल पाल की पुश्तैनी जमीन पर बैजनाथ पाल के द्वारा एक आम रास्ता निकालकर मुख्य मार्ग से जोड़ते हुए हिस्से के जमीन का बंटवारा किया गया था। लेकिन बाद में लालधारी द्वारा निकाले गये आम रास्ते पर जबरन कब्जा कर बाउंड्री वाल बनाने का काम शुरू कर दिया गया। रास्ता अवरुद्ध होता देख अन्य भाइयों ने इसका विरोध किया तो तनाव की स्थिति बन गई थी। जिसकी शिकायत करने पर मंगलवार को नायब तहसीलदार विनय कुमार द्विवेदी समेत राजस्व टीम और करछना ,औद्योगिक, नैनी, समेत पीएससी बल मौके पर पहुंची। लेकिन उक्त मामले को लेकर लगातार विरोध के चलते देरशाम निष्कर्ष नहीं निकल सका। जिससे पुलिस को वापस लौटना पड़ा।

एसबीआई की शाखा चला रहे नागेंद्र सिंह से हुई लूट

शाखा को बंद कर घर जा रहे थे नागेंद्र, बदमाशों ने मारपीट कर रुपए से भरे बैग को छीना

अखंड भारत संदेश

घटनास्थल पर लोगों को जानकारी देते नागेंद्र सिंह

मेजा रोड । मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा चौकी अंतर्गत मंगलवार की शाम तकरीबन 5.30 पर एक लूट की वारदात सामने आया है । बता दें कि भारतीय स्टेट बैंक की शाखा चला रहे नागेंद्र सिंह पुत्र राजबहादुर सिंह ग्राम नए पूरा डोहरिया सिरसा के निवासी हैं जब शाखा को बंद कर घर जा रहे थे तभी कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी को रुकवा कर मारपीट की तथा बैग में रखा पैसा 1लॉख 15 हजार रूपया लूट लिए । जिसकी जानकारी घटनास्थल पर लोगों को बताते हुए एक लिखित शिकायत सिरसा चौकी में दर्ज कराया गया है । हालांकि डोहरिया निवासी नागेंद्र सिंह ने बताया कि पैसा लूटने वाले लोगों को पहचानते हैं जिनका नाम प्रिंस तिवारी, शिवम तिवारी, तनु मिश्रा तीन बाइक से कुछ अन्य लोगों ने मिलकर पैसे से भरे बैग को छीन कर भाग गए हैं। जिसकी लिखित शिकायत नागेंद्र सिंह के द्वारा सिरसा चौकी में दिया गया है । हालांकि चौकी प्रभारी से खबर लिखे जाने तक बात नहीं हो पाई अब देखना यह है कि इस घटना को अंजाम देने वाले लोगों को पुलिस कितने दिनों में पकड़ कर सलाखों के पीछे भेजने में कामयाब होती है।

दो गांवों में मार पीट कई जख्मी सात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दो अलग अलग गांवों में जमीनी विवाद को लेकर मार पीट के दौरान कई जख्मी हुये है। पुलिस ने दोनों मामलों में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम रेवारी छाता निवासी भानु प्रताप सिंह पुत्र जंग बहादुर का आरोप है कि उसकी जमीन पर उनके विपक्षी शौचालय बना रहे थे। मना करने पर उसकी पुत्री स्वाती सिंह को मारे पीटे और जान से मारने की धमकी भी दी। भानु प्रताप सिंह ने मऊआइमा थाने इन्दभान सिंह ,सन्तोष सिंह ,दी पक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।उधर ग्राम कटरा दयाराम निवासी राजेश कुमार पुत्र राम भरोस का आरोप है कि उसके विपक्षी पक्की नाली तोड कर मिट्टी से पाट रहे थे। मना करने पर उसे मारा पीटा गया और जाति सूचक गालियां दी गई। एस एस पी के आदेश पर मऊआइमा पुलिस ने प्रेम प्रकाश ,ओमप्रकाश ,राजेंद्र प्रसाद तथा दो अज्ञात के खिलाफ एस सी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विधानसभा में उठा जीजीआईसी शंकरगढ़ के जीर्ण-शीर्ण भवन का मुद्दा

अखंड भारत संदेश

बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा समेत विभिन्न मुद्दों से जुड़े 19 सवालों का मांगा जवाब

शंकरगढ़। बारा विधायक डा. वाचस्पति ने सदन में क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की ओर प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है। बारा विधायक ने बिजली, पेयजल, सड़क, शिक्षा, खेलकूद, जर्जर भवनों समेत क्षेत्र की कुल 19 समस्याओं का सवाल विधानसभा में पूछा है और इस इस पर जवाब की अपेक्षा की है। बारा विधायक डा. वाचस्पति ने मा.शि. मंत्री से पूछा है कि राजकीय बालिका इंटर कालेज शंकरगढ़ का भवन इतने सालों से जर्जर पड़ा है। उक्त कालेज के भवन का अभी तक क्यों निर्माण नहीं करवाया गया।इसके अलावा कालेज को अभी तक उच्चीकृत क्यों नहीं किया गया। इसी तरह विधायक ने बारा के पठारी क्षेत्र में पेयजल की समस्या को मुद्दा बनाया है। पूछा है कि पठारी क्षेत्र में हैंडपंप से स्वच्छ पेयजल क्यों नहीं मिल रहा है, क्या सरकार, पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए इलाके में पानी की टंकी की स्थापना करवाएगी। इसी क्रम में उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में विद्यालयों के कार्यों को कंप्यूटर से करवाने से जुड़ी जानकारी का जवाब मांगा है। नदियों की सफाई के निमित्त सवाल दागते हुए जनपद शामली से बहने वाली कृष्ण नदी की साफ-सफाई की जानकारी मांगी है। इसके अलावा प्रदेश में सिंचाई के लिए रजबाहा, नहरों में पानी छोड़े जाने की निर्धारित समय सीमा की जानकारी चाही है। इसके अलावा प्रदेश सरकार से पूछा है कि क्या जनपद प्रयागराज के बारा विधानसभा में खेलो इंडिया के तहत युवाओं-छात्राओं को खेल में प्रोत्साहित करने के लिए मिनी स्टेडियम की स्थापना करवाएगी। इसके अलावा बारा विधानसभा क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की स्थापना और बिजली के जर्जर तारों, खंबों को बदलने के लिए सरकार के प्लान और योजनाओं की जानकारी मांगी गई है। विधायक का कहना है कि बारा में फायर ब्रिगेड नहीं होने से हर साल हजारों बीघा फसल जलकर राख हो जाती है। इसमें ज्यादार हादसे बिजली के जर्जर तारों के टकराने से निकलने वाली चिंगारी से होते हैं।इसके अलावा विधायक ने अन्य कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रदेश सरकार से सवाल पूछते हुए जानकारी मांगी है।

नपा अध्यक्षा ने अम्बेडकर चौराहे पर झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

स्वच्छता में होता है परमात्मा का वासः प्रेमलता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद अध्यक्षा प्रेमलता सिंह द्वारा मंगलवार को कंपनी गार्डन से फीता काटकर स्वच्छता रैली का उद्घाटन किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा 2 अक्टूबर तक चलने वाले अमृत महोत्सव में आज स्वच्छता संबंधित कार्यक्रम किया जाना था जिसमे जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्षा द्वारा अम्बेडकर चैराहे पर झाड़ू लगाकर नगर वासियो को स्वच्छ रहने का संदेश दिया और कहा कि स्वच्छता में परमात्मा का वास होता है और नगर वासियों से अपील किया कि अपने घर के साथ साथ नगर को स्वच्छ रखा जाय तथा अपना जनपद देश का सबसे स्वच्छतम शहर की श्रेणी में रहे। अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह द्वारा नगर को स्वच्छ रखने के लिए नगर वासियो से कूड़े को कूड़ेदान में डालने एवम प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की। रैली कंपनी गार्डन से होते हुए राजपाल टंकी तथा 100 बेड हॉस्पिटल से कांशीराम कालोनी मलिन बस्ती की विधिवत सफाई की गयी। तथा एन्टी लार्वा एवम हाइपो क्लोराइड का छिड़काव किया गया। इस रैली में नगर पालिका परिषद के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संतोष सिंह, सफाई प्रभारी प्रशांत सिंह, राजस्व निरीक्षक लाल बहादुर, राजेश बिन्द, स्वच्छ भारत मिशन के डी0 पी0एम0 वरुण सिंह, डी सी0 आशीष मिश्रा एवम अन्य कर्मचारीगण एवम सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। इस रैली का उद्देश्य जन जन में स्वच्छता संदेश फैलाना है।

अम्बेडकर चौराहे पर झाड़ू लगातीं नगर पालिकाध्यक्षा व अन्य।

सेवा पखवारा कार्यक्रम के तहत अमृत सरोवर की हुई साफ-सफाई

ब्लाक प्रमुख पट्टी की अगुवाई में की गई सफाई

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा सेवा पखवारा के रूप में मनाया जा रहा है जिसके तहत पट्टी तहसील के सर्वजीतपुर में स्थित अमृत सरोवर के किनारे साफ सफाई की गई।

पट्टी नगर के समीप स्थित सर्वजीतपुर भारतीय जनता पार्टी के नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह का घर है। पट्टी के ब्लाक प्रमुख राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित 15 दिवसीय सेवा पखवाड़े के अंतर्गत मंगलवार को सर्वजीतपुर गांव में बनाये गए अमृत सरोवर के किनारे 2 दर्जन से अधिक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और ब्लाक के सफाईकर्मियों ने साफ सफाई किया। ब्लाक प्रमुख पट्टी राकेश कुमार सिंह पप्पू सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से विश्व में अंतरराष्ट्रीय छाप छोड़ चुके हैं, हम भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से ताल्लुक रखने वाले लोग नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा पखवारा के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मना रहे हैं जिसके तहत सर्वजीत गांव में साफ सफाई की गई और स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम विकास अधिकारी ध्रुव कुमार अभिषेक रावत, जयप्रकाश सोनी, रमेश चंद सोनी, अब्बास अली, आलोक सोनी, शिव कुमार वर्मा, अभय यादव, रामचरित्र वर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

अमृत सरोवर की साफ-सफाई करते कार्यकर्ता।

सात आरोपियों के खिलाफ बलबा तथा तोड़फोड़ का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ बलबा तथा मारपीट व गाली गलौच का केस सोमवार की रात दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के रायपुर तियाई निवासी बाबूलाल पुत्र गजाधर ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती उन्नीस सितम्बर को गांव के लालजी के पुत्रगण विजय, कमलेश, जंगली व ननकू तथा लालजी पुत्र नकछेद, कुलदीप पुत्र दीनानाथ, गोलू पुत्र अमर बहादुर कुछ अज्ञात लोगों के साथ दरवाजे पर आये और उसे मारने पीटने लगे। मारपीट में पीड़ित तथा परिवार के सदस्यों को चोटें आ गयी। शोर मचाने पर आरोपी गाली देते, जानलेवा धमकी देने लगे।

वारण्टी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना महेशगंज के उ0नि0 सुनील कुमार गुप्ता मय हमराह देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मु0नं0 1599/22 से संबंधित एक वारण्टी बैजनाथ पुत्र रामकिशुन निवासी राय असकरनपुर थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

अबकी बार नए लुक में नजर आएगी जिले की रामलीला

जयपुर के बने मुकुट से शोभायमान होंगे भगवान राम सहित चारों भाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला समिति प्रतापगढ़ की एक बैठक अध्यक्ष संजय खंडेलवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से अबकी बार ऐतिहासिक दशहरा और भरत मिलाप और सुंदर ढंग से मनाने की रूपरेखा बनी।

समिति ने अबकी बार जयपुर और बनारस से लीला के सारे सामान नए मंगाए हैं। अबकी बार भगवान का मुकुट, वस्त्र जयपुर से मंगाए गए हैं। दशानन का स्वरूप बनारस से आया है। भालू, बंदर व राक्षसों के भी सारे वेश नए आए हैं। समिति के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, श्याम शंकर सिंह ने बताया कि रामलीला समिति इस बार नए स्वरूप को देने के लिए प्रयत्नशील हैं। भगवान की झांकी को और भव्य बनाया जा रहा है। संयोजक दिनेश सिंह श्दिन्नूर ने कहा कि जैसे हर वर्ष ऐतिहासिक होता आया है। इस वर्ष भी ऐतिहासिक भरत मिलाप संपन्न कराया जाएगा। मंत्री विपिन गुप्ता ने कहा कि समिति के सारे पदाधिकारीगण हर वर्षो की भांति मेला संपन्न कराने में अपना योगदान देने की कृपा करें। कोषाध्यक्ष मनीष ने कहा कि समिति पूरी तरह भगवान के काम में लगी हुई है, कोष की कमी नहीं आने पाएगी। इस अवसर पर बंटी नेता, धर्मेंद्र चैरसिया, श्याम शंकर सिंह, विपिन गुप्ता, रोहित, पंकज, मनीष सिंह, रवि अग्रवाल, पंकज शुक्ला, राजेश खंडेलवाल,

जयपुर के मुकुट को देखते रामलीला समिति के पदाधिकारी।

निपुण भारत मिशन का उपशिक्षा निदेशक ने लिया जायजा, किया उत्साहवर्द्धन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय ब्लाक संसाधन केन्द्र पर निपुण भारत मिशन के तहत परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उपशिक्षा निदेशक एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य ह्रदयराम आजाद ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उन्होनें प्रशिक्षण को लेकर प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए कहा कि निपुण भारत के प्रशिक्षण के सिद्धान्तों को साकार करने के लिए शिक्षक इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करें। उन्होंने शिक्षकों से निपुण भारत मिशन को लेकर प्रश्नोत्तरी चर्चा में भी उत्साह बढ़ाया। उपशिक्षा निदेशक प्रशिक्षण में भाग ले रहे शिक्षकों के उत्तरों को देख प्रसन्नता जताई। खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभाकर यादव ने लालगंज ब्लाक को निपुण लालगंज बनाये जाने का संकल्प जताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रवक्ता कमल किशोर यादव व संचालन एआपी डा0 रमेश मिश्र ने किया। इस मौके पर प्रभाकर दुबे, राजेश वर्मा, राजीव पाण्डेय, अवनीश मिश्र, आस्था, सुधाकर शुक्ला, ऋषि द्विवेदी आदि रहे।

जीजीआईसी की छात्राओं ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सब का प्रयास के जोश के साथ सर्वदानंद जिला विद्यालय निरीक्षक एवं गरिमा श्रीवास्तव प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ के निर्देश के क्रम में सूचना विभाग जनपद प्रतापगढ़ द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर शहर के हादी हाल में लगाई गई।

प्रदर्शनी का अवलोकन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ की छात्राओं द्वारा एसपी द्विवेदी सह जिला विद्यालय निरीक्षक के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान नोडल अधिकारी डॉ मोहम्मद अनीस, शिखा श्रीवास्तव, यादव मीरा, उम्र जमील, राजेश यादव, कपिल तिवारी आदि के नेतृत्व में प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। इस दौरान छात्राओं ने प्रदर्शनी को बड़ी तल्लीनता से देखा और प्रदर्शनी देखकर देखकर वे भाव-विभोर हो गई और उन्होंने बहुत सारे प्रश्न किए जिसका समुचित उत्तर देकर संतुष्ट किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राएं उपस्थित रही।

हादीहाल में लगी प्रदर्शनी में मौजूद छात्राएं व शिक्षकगण।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 नवम्बर को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनुपम दुबे ने बताया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार सिंह के आदेशानुसार 12 नवम्बर 2022 दिन शनिवार को पूर्वान्ह 10 बजे से जनपद मुख्यालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, आर्बिटेज्शन वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद), आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। वादकारी अपने सम्बन्धित न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित कराकर लोक अदालत का लाभ उठाएं।

साधन का इंतजार कर रही महिला के साथ दुराचार

शोर सुन कस्बेवासियों की आहट से भागे आरोपी, एक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सोमवार को रात करीब आठ बजे कुंडा जाने के लिए डेरवा बाजार में साधन का इंतजार करने वाली महिला से दुराचार किया गया। दुराचार का मामला प्रकाश में आते ही बाजार में हड़कंप सा मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्त में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक ने भी स्थानीय पुलिस को दिशा निर्देश दिए। मामले की चर्चा दूसरे दिन बाजार में जगह जगह होती दिखी।

प्राप्त विवरण के अनुसार कुंडा क्षेत्र की एक महिला अपने रिश्तेदार के यहां से घर वापस जाने के लिए सोमवार को रात करीब 8 बजे वह डेरवा बाजार पहुची उस समय कुंडा जाने के लिए वहां कोई साधन नही था वह धारुपुर मोड़ के पास साधन की तलाश कर रही थी। इसी बीच दो लोग उसके पास पहुंचे और अपने को टैम्पो चालक बताते हुए कुंडा जाने की बात कहने लगे। महिला उनके साथ जाने को तैयार हो गयी। साधन कुछ दूरी पर होने की बात करते हुए उसे एकांत स्थल पर ले गए और उसके साथ जबरिया दुराचार किया। उनसे छूट पाने के बाद महिला ने शोर मचाना शुरू किया। लोगो की आहट सुन आरोपी भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही कस्बेवासियों में आक्रोश बन गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गयी और आनन फानन में क्षेत्राधिकारी सदर पवन त्रिवेदी व थानाध्यक्ष अजीत शुक्ल मौके पर पहुचे। घटना की जानकारी होते ही पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने जेठवारा पुलिस को आरोपियों की तुरन्त गिरफ्तारी के निर्देश दिए। देर रात पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज मामले की छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल घटना को लेकर कस्बेवासियों में आक्रोश साफ नजर आ रहा है। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है।

रखवालों की नाक के नीचे हो रहा रेलवे संपत्तियों का बंदरबाट!

रिमॉडलिंग में कबाड़ी, चोर और रखवालों का सिंडीकेट तेजी से हुआ सक्रिय

शाम ढलते ही शुरू होता है पैसों का हिसाब किताब

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्थानीय रेलवे स्टेशन की रिमॉडलिंग हो रही है। समूचा यार्ड खोद दिया गया है। हर तरफ रेल संपत्तियां बिखरी पड़ी हुई हैं। इन पर चोरों ने निगाह डाल दी है। यार्ड में चर्चा फैल गई है कि लाखों की संपत्ति का वारा न्यारा भी हो चुका है, जिसका चोर, कबाड़ी और रखवालों के सिंडीकेट के बीच बंदरबाट भी हो चुका है। अफवाह है कि सिंडीकेट ने कुछ संपत्तियां यार्ड से हटाकर दूसरी जगह सेफ स्थान पर रखी है। जिसको किनारे लगाने के लिए मौका तलाशा जा रहा है। खास बात यह है कि संपत्तियों के रखवालों को इसकी भनक तक नहीं है।

इस समय चिलबिला से लेकर प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे का कार्य चल रहा है जिसमें दोहरीकरण और यार्ड रिमॉडलिंग शामिल हैं। कार्य के दौरान कीमती रेल संपत्तियां बिखरी पड़ी है जिसमें लोहा, केबल और रेलवे पटरी है। इनकी रखवाली की जिम्मेदारी रेलवे सुरक्षा बल की है। स्टेशन पर कर्मचारियों के बीच रेल संपतियों का बंदरबाट होने की चर्चा जोर शोर से हो रही है। चचाओं पर गौर करने पर मालूम हुआ कि इन दिनों संपतियों को चोरी छिपे बेचने का काम तेजी से हो रहा है। इस काम में एक बड़ा गिरोह सक्रिय हैं जिसमें रेलवे के जिम्मेदार लोगों के अलावा कबाड़ियों की पूरी टीम और रखवालों के शामिल होने की भी चर्चा है। सूत्रों से पता चला है कि ये वही शातिर कबाड़ी है और उनके लोग हैं। जिनका नाम रेल संपत्ति की चोरियों और बरामदगी में आता रहता है। इस बारे में आरपीएफ का कहना है कि चोरी की कोई घटना नहीं हुई है। किसी ने शिकायत नहीं की है। इंचार्ज पीडब्लूआई अजय आनंद का कहना है कि उनकी जानकारी में ऐसा कोई मामला प्रकाश में नहीं लाया गया है।

अभद्र टिप्पणी करने पर सपाईयों ने दिया प्रार्थना पत्र

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के संरक्षक व वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष के विरुद्ध गाली देकर के सोशल मीडिया पर वायरल करने पर नाराज समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने मंगलवार की दोपहर पट्टी कोतवाली में एक प्रार्थना पत्र देकर आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

पट्टी कोतवाली में मंगलवार की दोपहर लगभग दो बजे समाजवादी पार्टी के दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ता इकट्ठे हुए। क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह को प्रार्थना पत्र देकर पट्टी कोतवाली में पहुंचे कार्यकताओं ने बताया कि सोमवार को सोशल मीडिया पर नारायणपुर दरछुट गांव कंधई थाना अंतर्गत समाजवादी पार्टी के पूर्व रक्षा मंत्री व संरक्षक मुलायम सिंह यादव के विरुद्ध भद्दी भद्दी गालियां देते हुए तथा वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करने उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में एक शिकायती पत्र दिया। समाजवादी पार्टी प्रतापगढ़ के जिला उपाध्यक्ष जीत लाल यादव उर्फ पप्पू यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी के संरक्षक व राष्ट्रीय अध्यक्ष के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करने वालों से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता नाराज हैं जिससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ रहा है। इस दौरान समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पप्पू यादव, शिव बहादुर उर्फ गुड्डू यादव, अरविंद यादव, अमित पाठक, अमित, राजेश बरनवाल आदि मौजूद रहे।

प्रेम प्रपंच के चलते किशोर ने जहरीला पदार्थ पीकर दी जान

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के पासिन का पुरवा ब्रहमौली गाव निवासी जय सरोज उर्फ जय सिह पुत्र श्रीपाल सरोज (19) वर्षीय सोमवार को अपने भाई द्वारिका प्रसाद की ससुराल मवई गौतमन का पुरवा थाना ऊँचाहार गया था पट्टीदार में किसी लड़की से इश्क परवान चढ़ गया। परिजनों की डांट से क्षुब्ध होकर जहरीला पदार्थ पी लिया जहां हालत बिगड़ने पर परिजन लोग कुछ समझ पाते उसे सीएससी ऊँचाहार अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुची पुलिस से शव को कब्जे में लेकर लिखा पढ़ी करके पोस्मार्टम के लिये जिला अस्पताल रायबरेली भेजा। देर शाम मृतक का शव घर पहुचने पर चीख पुकार मच गई।

दो आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज-प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट तथा धमकी व तोड़फोड़ का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के राजा का पुरवा जमालपुर निवासी तारा देवी पुत्री जियालाल गौतम ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि सत्रह सितम्बर को शाम पांच बजे रंजीशन विवाद को लेकर उसे घर में घुसकर मारा पीटा। आरोपी गांव के राम सजीवन पुत्र भगवतदीन तथा गीता देवी पत्नी रामसजीवन ने घर में घुसकर घरेलू सामान भी तोड़कर नष्ट कर दिया। आरोपियों ने घर के अन्दर मौजूद पीड़िता के पिता को भी मारा पीटा। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सोमवार की रात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

धराया शातिर बदमाश, चोरी की बाइक व मोबाइल समेत कई सामान बरामद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस को एक शातिर चोर को धर दबोचने में मंगलवार की सुबह सफलता मिली है। कोतवाल कमलेश पाल फोर्स के साथ गस्त पर निकले थे। लालगंज सांगीपुर हाइवे पर खानापट्टी के समीप एक युवक पुलिस को देख बाइक स्टार्ट कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ा तो आरोपी के पास से एक चोरी की बाइक तथा चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। आरोपी के पास से एक पैन, आधार कार्ड, तीन एटीएम कार्ड तथा सोलह सौ पचास रुपए नकद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी खानापट्टी निवासी सलमान पुत्र मकबूल को मंगलवार की दोपहर जेल भेज दियां। आरोपी के खिलाफ कोतवाली में चोरी तथा छिनैती का केस भी दर्ज है।

पांच आरोपियों के खिलाफ बलबा व धमकी का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ बलबा तथा घर में घुसकर मारपीट का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के रायपुर तियाई निवासी लालजी तिवारी पुत्र नकछेद ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती उन्नीस सितम्बर को गांव के आरोपी बाबूलाल वर्मा व बृजेश वर्मा पुत्रगण गजाधर तथा नन्दलाल वर्मा व पुत्तीलाल वर्मा एवं माताफेर वर्मा ने एकराय होकर पीड़ित को दरवाजे पर आकर गाली देने लगे। पीड़ित ने मना किया तो उसके साथ विपक्षियों ने जानलेवा धमकी देते हुए लाठी डंडे से मारपीट की। बीच बचाव करने आयी उसकी नातिन काजल को भी विपक्षियों ने मारपीट कर चुटहिल कर दिया। आरोपियों ने घर में घुसकर भी मारपीट की व गृहस्थी के सामान तोड़कर नष्ट कर दिया। तहरीर पर पुलिस ने सोमवार की रात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

निराश्रित महिला पेंशन के लाभार्थी 25 सितम्बर तक करा लें केवाईसी

कौशाम्बी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) पा रही सभी लाभार्थियों को सूचित किया है कि जनसेवा केन्द्र जाकर अपना आधार कार्ड बैंक पासबुक एवं मोबाइल नम्बर को अनिवार्य रूप से 25 सितम्बर 2022 तक ऑनलाइन पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण अथवा कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी, विकास भवन स्थित अपने आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाईल नंबर के साथ आधार प्रमाणीकरण अवश्य करा लें, अन्यथा शासन स्तर से पेंशन रोक दी जायेंगी।

रोजगार मेले का आयोजन 21 सितम्बर को

कौशाम्बी। राजकीय आईटीआई सिराथू मंझनपुर एवं कौषल विकास मिषन के संयुक्त तत्वावधान में 21 सितम्बर 2022 को राजकीय आईटीआई सिराथू के परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने देते हुए बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेंगी। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए विभाग की वेबसाइट पर पंजीयन करते हुए इच्छित कंपनी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता हैं।

रेलवे कर्मी की बेटी ने ट्रेन के सामने कूद कर दी जान

रोज-रोज पिता की पिटाई से प्रताड़ित बीए की छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

भरवारी रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी प्लेटफार्म नम्बर एक पर मंगलवार की सुबह रेलवे के एक कर्मचारी की बीए में पढ़ने वाली बेटी ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर लिया है रेलवे कर्मचारी की बेटी बीए में पढ़ रही थी छात्रा के पिता आए दिन उसकी पिटाई करते थे मंगलवार को फिर छात्रा के पिता ने उसकी पिटाई कर दी प्रताड़ित होकर गुस्से में आकर रेलवे कर्मचारी की बेटी ट्रेन के सामने कूद गई और अपना जीवन समाप्त कर लिया है छात्रा के आत्महत्या की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर कस्बे के लोगों की भीड़ लग गई रेलवे कर्मचारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए मामले की सूचना मिलते ही आरपीएफ जवान भी घटनास्थल पर पहुंचे और आरपीएफ इंचार्ज सुरेन्द्र पासवान ने छात्रा के शव को रेलवे ट्रैक? से हटवाकर प्लेटफार्म पर सुरक्षित रखवाया। मृत छात्रा की शिनाख्त रिंकी (21),पुत्री राम विशाल निवासी लोकीपुर के रूप में हुई। मृत छात्रा के पिता भरवारी रेलवे स्टेशन पर तैनात रेलवे कर्मचारी है पुलिस ने मृतक छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

हर्रायपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज पुलिस चौकी अंतर्गत शोभना गांव के एक युवक ने घरेलू कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया है गंभीर हालत में उसे परिजनों ने प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है मृतक के शव को परिजनों ने प्रयागराज में ही अंतिम संस्कार कर दिया है मामले की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के शोभना गांव निवासी अमित कुमार उम्र 22 वर्ष पुत्र कमला शंकर का किसी मामले को लेकर परिवारी जनों से विवाद हुआ था परिवार के विवाद के बाद संतुलन खो चुके अमित कुमार ने जहरीला पदार्थ खाकर अपने जीवन को समाप्त करने का निर्णय लिया और युवक ने जहर खा लिया शहर खाते ही उसकी हालत बिगड़ने लगी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज कराने के लिए प्रयागराज के एक अस्पताल में ले गए जहां उसकी मौत हो गई मामले की सूचना पुलिस को दिए बगैर परिजनों ने प्रयागराज में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया है आखिर युवक की मौत के पीछे क्या कारण है और संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर उसका अंतिम संस्कार क्यो कर दिया है इन तमाम सवाल के जवाब अमित की मौत के बाद छूट गया है।

न्यूज झरोखा

भूतपूर्व सैनिकों की समस्यायें सुन एडीएम ने निस्तारण के दिये निर्देश

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में कुल 08 भूतपूर्व सैनिकों आश्रितों ने अपनी समस्याओं से अपर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया जिस पर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिये भूतपूर्व सैनिकों आश्रितों की समस्यायें-भूमि विवाद, बैंक से ऋण, पेंशन, चिकित्सा, आर्थिक अनुदान एवं शिक्षा आदि से सम्बन्धित थीं इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन नजमुल हुदा सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिरादरी का हवाला देकर शादी से इंकार कर रहा युवक

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के हिसामपुर परसखी के मजरा सुखाऊँ का पूरा की एक दलित नाबालिग बालिका को दस महीने पूर्व गांव का गामा पटेल झांसे में फंसा कर लुधियाना भगा ले गया था दलित बालिका से युवक ने शरीरिक सम्बन्ध बनाया जिससे बालिका गर्भवती हो गयी लेकिन जब बालिका ने युवक से शादी करने की बात कही तो उसने इनकार कर दिया बालिका को मारपीट कर युवक 1 महीने पहले गांव वापस छोड़ गया बालिका की मां न्याय पाने के लिए थाना और पुलिस चौकी का चक्कर लगा रही है लेकिन कार्यवाही नहीं हुई है बालिका की मां ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है

आखिर कब मिलेगा बच्चों को कुपोषण से मुक्ति

कौशाम्बी जिले में हजारों बच्चे कुपोषण के शिकार

कौशांबी। कई वर्षों पूर्व बच्चों को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार ने बाल विकास पुष्टाहार विभाग के जरिए आंगनबाड़ी की योजनाएं संचालित कर कुपोषण दूर करने का संकल्प लिया था लेकिन विभागीय खामियों के चलते 3 दशक से अधिक बीत जाने के बाद भी कुपोषण का खात्मा नहीं हो सका है विभाग में सिस्टम के तहत योजनाएं पारदर्शी तरीके से लोगों तक नहीं पहुंच पाती हैं वर्तमान में भी कौशाम्बी जिले में हजारों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं पूरे प्रदेश में लाखों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं आखिर जब सरकार कई वर्ष बाद भी कुपोषण को नहीं खत्म कर सकी है तो फिर योजना के संचालन के नाम पर भारी-भरकम रकम खर्च करने की क्या जरूरत है योजना के संचालन के बाद से विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों का कुपोषण दूर हो गया है वह मालामाल हो गए हैं आए दिन मीटिंग के नाम पर काजू की बर्फी खा करबबंद बोतल का मिनरल वाटर पीकर डकार लेने वाले अधिकारी योजना को पलीता लगा कर मालामाल हो रहे हैं लेकिन विभाग से कुपोषण का खात्मा नहीं हो सका है योजना के संचालन में खामियों के नतीजे के चलते सरकार की योजना उद्देश्य से भटक गई है बाल विकास परियोजना अधिकारी सिराथू से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सिराथू विकासखंड क्षेत्र में 530 बच्चे कुपोषण का शिकार है कुपोषण दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं भी संचालित हो रही है कुपोषण के खात्मे के लिए सरकार स्वास्थ्य विभाग के जरिए भी करोड़ों का बजट खर्च कर रही है लेकिन कुपोषण का खात्मा कई वर्ष बाद भी नहीं हो सका है आए दिन मीटिंग के नाम पर जिले से लेकर शासन तक के अधिकारी योजनाओं के बारे में बड़े-बड़े भाषण देते हैं लेकिन जमीनी हकीकत पर कुपोषण नहीं खत्म होता दिख रहा है जो बड़ी चिंतन का विषय है और कुपोषण योजना के नाम पर मालामाल हो रहे अधिकारियों की गतिविधियों को संज्ञान लेना होगा कुपोषण की योजना पारदर्शी तरीके से चलाए जाने की जरूरत है जिससे भारत स्वस्थ बन सके।

योगी के 6 साल के कठोर शासन के बाद भी नहीं कम हुई अराजकता

अखंड भारत संदेश

पर्दे के पीछे से अराजक तत्वों की मदद में लगे हैं भाजपा के एक बड़े नेता, भाजपा ब्लाक प्रमुख के साथ अराजकता करने वालों की 3 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं कर सकी पुलिस !

भाजपा ब्लाक प्रमुख के घर पर अराजकता करते दबंग

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के 6 साल के कठोर शासन के बाद पूरे प्रदेश में भले ही परिवर्तन हुआ हो लेकिन कौशांबी जिले में अराजकता कम नहीं हुई है खुलेआम दबंग और अत्याचारी आतंक अत्याचार कर गरीब कमजोर मजलूम और सभ्य समाज के लोगो का जीना मुहाल कर रखे हैं और थाना पुलिस सिस्टम के तहत सब कुछ काम कर रही है सपा और बसपा सरकार में शुरू हुआ पुलिस का सिस्टम योगी सरकार में खत्म नहीं हो सका जिससे आम जनता प्रताड़ित परेशान हो रही है ताजा मामला करारी थाना क्षेत्र के शुक्लन के पुरवा का है।

भाजपा के पूर्व विधायक के रिश्तेदार मंझनपुर विकासखंड के ब्लाक प्रमुख है और 3 दिनों पूर्व देर रात भाजपा ब्लाक प्रमुख के घर चढ़ कर दर्जनों दबंगों ने जम कर उत्पात मचाया ब्लाक प्रमुख के घर चढ़े दबंगों ने अराजकता की सारी हदें पार कर दी खुलेआम कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ती रही अपमान और शोषण का घूंट भाजपा ब्लाक प्रमुख पीते रहे वरना बड़ा नरसंहार हो जाता है लेकिन इस घटना के बाद भी पुलिस ने अराजकता फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं की है ब्लॉक प्रमुख के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अराजकता करने वाले के विरुद्ध एससी एसटी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा तो दर्ज कर लिया है लेकिन 3 दिन बीत जाने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस नहीं कर सकी है भाजपा ब्लाक प्रमुख के घर अराजकता करने वाले दबंगों की गिरफ्तारी में जब पुलिस इतनी लापरवाही बरत रही है तो आम जनता गरीब कमजोर लोगों के साथ अत्याचार अराजकता करने वालों की गिरफ्तारी करने में पुलिस की कितनी लापरवाह होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है बसपा और सपा सरकार में शुरू हुए पुलिस सिस्टम में थाना पुलिस शामिल है जिससे दबंगों के ऊपर कार्यवाही करती पुलिस नहीं दिख रही है वहीं सूत्रों की मानें तो भाजपा ब्लाक प्रमुख के घर पर देर रात चढ़कर अराजकता करने वाले दबंगों को पर्दे के पीछे से भाजपा के एक बड़े नेता द्वारा बचाव किए जाने की चर्चा तेजी से हो रही है कुछ भी हो भाजपा ब्लाक प्रमुख के घर अराजकता करने वालों की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यशैली बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

इलाज के बजाय अय्याशी का अड्डा बना निजी अस्पताल

कौशाम्बी। अस्पताल में मरीजों के इलाज करने के बजाय अस्पताल अब अय्याशी के अड्डे बनते जा रहे हैं आए दिन अस्पताल में अय्यासी के कारनामे चर्चा में आते हैं बीते दिनों पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के एक अस्पताल में भी अय्याशी के मामले को लेकर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था प्रेम प्रपंच के इस मामले में आरोपी युवक को जेल की हवा खानी पड़ी थी कौशांबी थाना क्षेत्र के एक गांव में भी अय्यासी के मामले में मुकदमा दर्ज हो चुका है इसके पहले अन्य थाना क्षेत्रों में भी अस्पतालों में अय्याशी के कई मामले चर्चाओ में आ चुके हैं इन दिनों फिर सराय अकिल थाना क्षेत्र के बेनीराम कटरा चौराहा पर संचालित एक निजी अस्पताल में अय्यासी का मामला सुर्खियों में है फकीराबाद की रहने वाली एक युवती का पति 12 वर्षों से लापता है वह इन दिनों तिल्हापुर मोड़ में रहती है और बेनी राम कटरा चौराहे के इस अस्पताल में काम करने लगी इसी अस्पताल में मायाराम के पुरवा गांव का एक युवक भी काम करता है अस्पताल में काम करने वाली युवती ने युवक पर गम्भीर आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी चायल को तहरीर दी है अस्पताल में काम करने वाली युवती का कहना है कि उसको झांसे में फंसा कर युवक उसको प्रयागराज ले गया और युवक ने महीनों उसका शारीरिक शोषण किया है युवती का कहना है कि दोनों पति-पत्नी की तरह इलाहाबाद में रहते थे पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्षतिग्रस्त सड़क दे रही दुर्घटना को आमंत्रण

अखंड भारत संदेश

डिप्टी सीएम के गृह जनपद कौशाम्बी की अधिकांशतः सड़कें हैं पूरी तरह से ध्वस्त

खराब सड़क का दृश्य

कौशाम्बी। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को गड्ढा मुक्त करने की मुहिम को चलाए हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ विभागीय अधिकारियों के द्वारा उनके मंसूबों में पानी फेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जा रहा है तथा उनके द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के गृह जनपद की अधिकांशतः सड़कें पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं जिसका नमूना चरवा से भरवारी जाने वाली मार्ग में देखा जा सकता है सड़क में जगह जगह पर कई बड़े बड़े खतरनाक गड्ढे हैं कि जिसमें किसी भी समय कोई भी राहगीर गिर जाए तो अनहोनी घटना घटित होने से कोई नहीं रोक सकता है राहगीरों को गड्ढों में चलने के लिए मजबूर होना पड़ता हैं वहीं देखा जा रहा है कि वर्षो से इस सड़क की मरम्मतीकरण भी नहीं हुई है और ना ही गड्ढों में मिट्टी भरवाई गई है जिससे वाहन चालकों को मार्ग से गुजरने के लिए पूरी तरह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण वहां से आने जाने वाले राहगीरों को हर समय दुर्घटना का भय सताए रहता है चरवा और भरवारी को मिलाकर रखने वाली एक यही सरल सड़क बताई जा रही है लेकिन फिर भी पी० डब्लयू० डी० विभाग का इस तरफ ध्यान ना देना एक चिंता का विषय है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जगह जगह में इन गड्ढों के कारण कई बार राहगीर गिरकर चोटिल भी ही चुके हैं। इसी मार्ग में चरवा थाने के पास पूरी सड़क के बीच में नाली कि तरह बन गया है जिससे लोग अचानक गाड़ी को रोकने के प्रयास में अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं, जिससे उन्हें चोटिल होना पड़ता है। लोगों का कहना है कि अगर डिप्टी सीएम के गृह जनपद का यह हाल है तो प्रदेश के अन्य जिलों को क्या स्थिति होगी यह साफ साफ अंदाजा लगाया जा सकता है अब देखना यह है कि क्या विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट होता है या फिर सब हवा हवाई ही साबित हो जाएगा या फिर इसी तरह आने जाने वाले मुसाफिर गिरकर चोटिल होते रहेंगे। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते अगर यही हाल रहा तो किसी दिन बड़ा हादसा होने से टाला नहीं जा सकता है।

लिपिक पर मेहरबान बीडीओ !

अखंड भारत संदेश

बिना चार्ज दिए ब्लॉक का लिपिक कई महीने से गायब प्रभावित हो रहा सरकारी कार्य

कौशांबी। मंझनपुर विकासखंड में तैनात एक लिपिक का स्थानांतरण अधिकारियों ने दूसरे ब्लॉक में कर दिया इस लिपिक के पास जिले के दो विकासखंड क्षेत्र का चार्ज है मंझनपुर ब्लॉक से स्थानांतरण होने के बाद यह लिपिक ब्लॉक छोड़कर चला गया है 3 महीने से अधिक बीत जाने के बाद यह लिपिक चार्ज देने मंझनपुर ब्लॉक नहीं पहुंचा है जिससे मंझनपुर विकासखंड का सरकारी कार्य प्रभावित हो रहा है लेकिन उसके बाद भी खंड विकास अधिकारी ने गायब लिपिक पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं की है मुकदमा दर्ज करा कर उसके कब्जे के सरकारी अभिलेखों को लेने का काम अभी तक नहीं किया गया है लिपिक के कारनामे के चलते मंझनपुर ब्लॉक का पूरी तरह से सरकारी कार्य प्रभावित हो रहा है लेकिन उसके बाद भी खंड विकास अधिकारी गंभीर नहीं है चचाओं पर जाए तो लिपिक ने अपने कार्यकाल में अभिलेखों में बड़ी हेराफेरी की है जिससे वह अपने चार्ज के अभिलेखों को देने में समय व्यतीत करना चाहता है बताया जाता है कि उक्त लिपिक का कुछ महीनों में रिटायरमेंट है मंझनपुर ब्लॉक से गायब लिपिक यह उम्मीद लगाए बैठा है कि रिटायरमेंट होने के बाद उसके सारे गुनाह माफ हो जाएंगे और वह उसके बाद अभिलेख दे देगा लेकिन क्या उसके ड्यूटी पर रहते हुए उसे चार्ज देने के लिए जिम्मेदार अधिकारी दबाव बनाकर उसके अभिलेखों की जांच कराएंगे या फिर रिटायरमेंट होने के बाद लिपिक के अभिलेखों को अधिकारी कब्जे में लेंगे यह बड़ा सवाल है।

स्वच्छता के नाम पर करोड़ों की रकम खर्च फिर भी बजबजा रही नाली

अखंड भारत संदेश

बारिश होते ही नालियों का कीचड़ सड़को गलियों से बहने से ग्रामीणों को होती है समस्याएं

सरसवां विकास खण्ड क्षेत्र में बजबजाती नाली का दृश्य

पश्चिम शरीरा कौशाम्बी। सरसवा विकासखंड क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत साफ सफाई के नाम पर करोड़ों की रकम खर्च कर दी गई है लेकिन उसके बाद भी गांव की दुर्दशा कम होती नहीं दिख रही है आम जनता कीचड़ और गंदगी के रास्ते से आने जाने को मजबूर है गांव क्षेत्र में ग्रामीणों के घरों के सामने नालिया बजबजा रही हैं नाली खुली होने से उसमें कीटाणु जीवाणु उत्पन्न हो रहे हैं जिससे लोग बीमारी का शिकार हो रहे हैं लेकिन फिर भी झूठे आंकड़े बाजे कर सरसावा विकास खंड के अधिकारी स्वच्छता अभियान की रकम में कमीशन खोरी कर मालामाल हो रहे हैं आला अधिकारी भी कमीशन खोर खंड विकास अधिकारी के कारनामों को संज्ञान लेकर खंड विकास अधिकारी पर कार्यवाही कर भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं जिससे पूरे सरसावा विकासखंड क्षेत्र में स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ रही हैं ताजा मामला दानपुर ग्राम पंचायत का है गांव की गलियों में गंदगी व्याप्त है चारों और नालियां बजबजा रही है नाली का कीचड़ और गंदा पानी बारिश होते ही गलियों में बहने लगता है नाली की गंदगी को लेकर गांव में आए दिन मोहल्ले के लोगों में विवाद उत्पन्न होता है जिससे आए दिन दोनों पक्ष के लोग थाने में न्याय पाने के लिए गुहार लगाते हैं लेकिन उसके बाद भी पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान नालियों की सफाई कराने का प्रयास नहीं कर रहे हैं स्वच्छता अभियान के तहत करोड़ों की रकम खर्च कर दिए जाने के बाद सरसावा विकासखंड क्षेत्र में गंदगी का अंबार लगे होने के मामले में आला अधिकारियों ने जांच कराई तो विकास खंड अधिकारी पर गाज गिरना तय है लेकिन क्या योगी सरकार में अधिकारियों के कारनामों की निष्पक्ष जांच हो पाएगी यह योगी सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई जिला पंचायत की लूट रहे सरकारी रकम !

अखंड भारत संदेश

जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई के कराए करोड़ों के कार्यों की सरकार ने जांच कराई तो भ्रष्टाचार का कारनामा खुलना तय ,घटिया निर्माण के चलते गिरे गेट में कई दिन बाद भी दोषियों पर नहीं हुई कार्यवाही

जिला पंचायत के गिरे गेट का दृश्य

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के विजया चौराहे पर जिला पंचायत द्वारा लाखों की रकम खर्च कर स्वागत गेट बनाया गया था 4 दिनों पूर्व अचानक स्वागत गेट भरभराकर गिर गया है जिससे सड़क में चारों तरफ ईट बिखर गयी इस स्वागत गेट का निर्माण एक वर्ष पहले जिला पंचायत अध्यक्ष के खासमखास समझे जाने वाले उनके मुँह बोले भाई को ठेका देकर निर्माण सौंदर्यीकरण कराया गया था लेकिन जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई ने गेट के मरम्मत और सौंदर्यीकरण के नाम पर मिली जिला पंचायत से लाखो की रकम में लीपापोती कर रकम डकार ली जिसे जिला पंचायत गेट का सौंदर्यीकरण और मरम्मत ठीक से नहीं हो सका जिला पंचायत से ठेका मिलने के कुछ दिन बाद यह स्वागत गेट भरभरा कर सड़क पर गिर पड़ा संयोग अच्छा था कि मौके पर आम जनता की भीड़ नहीं थी गेट के पास सब्जी बाजार लगती है उस दिन सब्जी बाजार नहीं लगी थी जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया घटना को कई दिन बीत जाने के बाद जिला पंचायत के दोषी अवर अभियंता और अध्यक्ष के मुंह बोले भाई ठेकेदार पर अभी तक अधिकारियों ने कार्यवाही नहीं की है आखिर जिला पंचायत अध्यक्ष के मुँह बोले भाई के भ्रष्टाचार पर कार्यवाही करने से अधिकारी इतना भय क्यों खा रहे हैं जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई ने इसके अलावा भी कई निर्माण कार्य जिला पंचायत की करोड़ो की रकम से कराए हैं और लगभग जितने कार्य जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई ने कराया है सभी कार्यों में इसी तरह से धांधली किए जाने की आशंका ग्रामीणों ने व्यक्त की है जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई द्वारा कराए गए करोड़ों के कार्यों की योगी सरकार ने जांच कराई तो जिला पंचायत अध्यक्ष के मुंह बोले भाई के भ्रष्टाचार का कारनामा खुलना तय है और उन पर मुकदमा दर्ज करा कर उनसे भ्रष्टाचार की रकम की वसूली भी हो सकती है लेकिन क्या योगी सरकार में जिला पंचायत अध्यक्ष के मुँह भाई के भ्रष्टाचार पर निष्पक्ष जांच हो पाएगी या फिर सिस्टम के दबाव में जिला पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार चलता रहेगा आम जनता योगी सरकार से इसका जवाब चाहती है।

मोदी 20 यूथ कार्यक्रम को संबोधित करेंगे क्षेत्रीय अध्यक्ष

विश्वनाथ डिग्री कॉलेज मेला बाग मूरतगंज में आयोजित होगा कार्यक्रम

कौशाम्बी। बुधवार को विश्वनाथ डिग्री कॉलेज मूरतगंज में मोदी 20 यूथ एवं वरिष्ठ सेमिनार का आयोजन किया जाएगा कार्यक्रम में मुख्यातिथि मुख्यवक्ता क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी महेश चंद्र श्रीवास्तव एवं सांसद विनोद सोनकर मौजूद रहेगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी करेगी कार्यक्रम संयोजक राकेश पाण्डेय,नितिन पासी कार्यक्रम सहसंयोजक होंगे कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष जिला पदाधिकारी जिला कार्यसमिति सदस्य समस्त पूर्व एवं निवर्तमान विधायक समस्त जिला पंचायत सदस्य एवं ब्लॉक प्रमुख मण्डल अध्यक्षगण, मण्डल प्रभारी मोर्चों के अपनी पूरी टीम के साथ, विभाग एवं प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सहसंयोजक पार्टी के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी जिले में निवास करने वाले क्षेत्र एवं प्रदेश के पदधिकारी प्रबुद्धजन मौजूद रहेगे।

गौशालाओं का निर्माण पूरा कराकर चालू कराए जाने तक जारी रहेगा संघर्ष : अजय सोनी

अखंड भारत संदेश

अधूरे बने निर्माणाधीन गौशालाओं को पूर्ण कराकर चालू कराए जाने को लेकर सिराथू ब्लॉक का घेराव

प्रदर्शन करते समर्थ किसान पार्टी नेता

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी के नेतृत्व में ग्राम देवखरपुर, अचाकापुर एवं नौगिरा के कई किसानों एवं पार्टी कार्यकताओं ने मंगलवार को सिराथू ब्लॉक का घेराव किया देवखरपुर और बसोहनी गांव में अधूरे पड़े निमार्णाधीन गौशालाओं का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराकर उन्हें चालू कराए जाने की मांग की। इस दौरान सिराथू खंड विकास अधिकारी भावेश शुक्ला को जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में ग्राम देवखरपुर एवं ग्राम बसोहनी के अधूरे पड़े गौशालाओं को जल्द चालू कराए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन स्वीकार कर बी डी ओ सिराथू ने समुचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया है। इस अवसर पर लोगों से वार्ता करते हुए अजय सोनी ने कहा कि जब तक वीरान अधूरे पड़े निमार्णाधीन गौशालाओं का निर्माण कार्य पूरा कराकर उन्हें चालू नहीं कराया जाता, किसानों के हित में मेरा संघर्ष जारी रहेगा। आगे कहा कि इसी तरह ग्राम कलुआपुर एवं ग्राम अनेठा की गौशालाओं का भी कई माह से निर्माण कार्य रुका हुआ था। मेरे कई माह के लगातार प्रयास से ग्राम कलुआपुर एवं अनेठा ग्राम की गौशालाओं का निर्माण कार्य जिला प्रशासन द्वारा पूरा कराया गया और आज की तारीख में उक्त दोनों गौशालाएं संचालित हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम देवखरपुर एवं ग्राम बसोहनी की गौशालाओं का निर्माण कार्य विगत कई माह से ठप्प है। मेरा एक माह से लगातार प्रयास चल रहा है कि इन वीरान और अधूरे बने पड़े निमार्णाधीन गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो और ये गौशालाएं संचालित हों ताकि आवारा पशुओं से किसानों की फसलों का बचाव हो सके। इस मौके पर सुरजीत वर्मा, रामबली सरोज, संजय चौधरी, पराने सरोज, जगपत सरोज, आकाश यादव, राजवंत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

चीता पुनर्वास मील का पत्थर साबित होगा

भारत में चीता युग पुनः प्रारंभ हो गया है। 17सितंबर को भारत के प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी ने अफ्रीकी महाद्वीप के नामीबिया देश से लाए गए 8 चीतों में से 3 को मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा शेष 5चीते मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने पार्क में छोड़े।अगर सब कुछ ठीक रहा तो चीतों के पुनर्वास की योजना "प्रोजेक्ट चीता"के लिए मील का पत्थर साबित होगी। कूनो नेशनल पार्क में चीते को चुनौती अगर किसी से मिल सकती है तो वो हैं तेंदुए,यहां 112तेंदुए रहते हैं. चीते और तेंदुए के बीच टकराव की आशंका को देखते हुए वन प्रशासन ने कुछ तेंदुओं को दूसरी जगह पर शिफ्ट किया है।एन टी सी ए(नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी)की बैठक में सामने आया था कि अगले 5 वर्ष में देश में 50 चीते लाकर बसाए जाएंगे ,एनटीसीए हर साल 3 बार मंथन करेगा।प्रोजेक्ट चीता की सुखद खबरें भी सामने आने लगी हैं। गांधी सागर अभ्यारण्य में भी अफ्रीकी चीते आएंगे यहां 8 चीते लाने की तैयारी है इसे लेकर कई बार विभागीय अमले के साथ विशेषज्ञों की टीम ने यह निरीक्षण कर अनुकूलता देखी है ।चीतों के लिए यह पहले चीतल को यहां बसाने का काम शुरू किया गया था जो सफल रहा है और फलीभूत होने लगा है, अभ्यारण्य में 266 चीतल छोड़े गए थे जो 350 तक हो गए हैं ।जानकारों ने बताया है कि गांधी सागर अभ्यारण्य में 3 नर और 5 मादा चीता अफ्रीका से लाने की योजना है ।38000 हेक्टेयर क्षेत्र में गांधी सागर अभ्यारण्य फैला है ।चंबल नदी से सटे होने के साथ घासवाला और चीते के दौड़ने के लिए पर्याप्त स्थान है यहां काम भी युद्ध स्तर पर जारी है। भारत में चीता की वापसी पारिस्थितिकी तंत्र की विषमताओं को दूर करने की दिशा में मील का पत्थर है अंधाधुंध शिकार ने देश से जी तक उपलब्ध कर दिया था सीता के न रहने से ग्रास लैंड की इकोलॉजी खराब हुई है इसके साथ ही चीता खाद्य श्रंखला की भी अहम कड़ी है। तभी तो चीतों को कूनो राष्ट्रीय पार्क के बाड़ों में छोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि "विकास और समृद्धि के लिए प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी जरूरी है इसी से हमारा भविष्य सुरक्षित होगा ।दुनिया जब प्रकृति और पर्यावरण की ओर देखती है तो सस्टेनेबल डेवलपमेंट की बात भी करती है हमारे लिए प्रकृति पर्यावरण पशु-पक्षी सिर्फ सस्टेनेबिलिटी और सिक्योरिटी ना होकर संवेदनशीलता और आत्मिक आभार भी हैं । आज सौभाग्य से हमारे सामने ऐसा ही क्षण है 21वीं सदी का भारत दुनिया को संदेश दे रहा है कि इकोनॉमी और इकोलॉजी परस्पर विरोधाभासी नहीं है, यह भारत ने करके दिखाया है वर्ष 2014 के बाद देश में करीब ढाई सौ नए संरक्षित क्षेत्र जोड़े गए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार में वन्य जीवो के संरक्षण की दिशा में किए प्रयासों के सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं संरक्षित क्षेत्रों की संख्या बढ़ने के साथ शेर बाघ और तेंदुओं की संख्या भी बढ़ी है केंद्र सरकार की तरफ से हाल ही में 2014 के मुकाबले अब तक इस दिशा में हुए प्रयासों के आंकड़े जारी हुए जिनके अनुसार 75 फीसदी बाघ भारत में है दुनिया के मध्य प्रदेश में 526 । 18 राज्यों में करीब 75000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 52 टाइगर रिजर्व है जबकि मध्यप्रदेश में छह है ,4 साल पहले ही 2018 में ही बाघों की संख्या दोगुना करने में सफलता प्राप्त हो चुकी है 5.03% संरक्षित क्षेत्र है देश में 2014 में 4.90 फीसदी थे 981 है संरक्षित क्षेत्रों की क्या 2014 में 740 171921 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है,2014 मैं 161081.62 वर्ग किलोमीटर था 16000 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि संरक्षित क्षेत्र में पिछले 4 वर्षों में हुई है ।2014 में जहां बाघों की संख्या 2226 थी अब 2967 है 2014 में तेंदुए की संख्या जहां 7910 थी अब 12852 है ।2015 में शेर जहां 523 थे अब 674 है।अब अगर रफ्तार का राजा "चीता" कूनों में फिर से दौड़ेगा तो बायोडायवर्सिटी बढ़ेगी ,विकाश की संभावनाएं और रोजगार बढ़ेंगे। इतना जरूर ध्यान रखना होगा कि चीता के 96प्रतिशत शावक बड़े होने से पहले ही मर जाते हैं।

ध्यान भटकाऊ खबर कैसे बनाएं

डॉ. सुरेश कुमार

सामग्रीः खरीदे गये आठ चीते, आठों के आठ नामिबियाई ब्रैंड के होने चाहिए। देश में चीता नहीं पाये जाते। हाँ कभी-कभी बिहारी या बंगाली अपने यहाँ चीता पाये जाने वाली बात करते रहते हैं। किंतु सच्चाई यह है कि वहाँ चीता के नाम पर चिंताएँ दिखाई देती हैं। इसलिए चीता कहलाने वालों के नाम पर चिंताएँ बिल्कुल न लें। नहीं तो ध्यान भटकाऊ की जगह खुद की धोती खिंचाऊँ खबर बन जाएगी। जहाँ तक नामिबियाई चीतों की बात हैं तो इन्हें अलग-अलग रखें, नहीं तो वे आपको अलग कर देंगे।

बनाने की विधिः चीतों को अपने शासित किसी राज्य के किसी जंगल में छोड़ें। शहर में नहीं। शहर में पहले से ही पढ़े-लिखे मूर्खनुमा जीव रहते हैं। उनके बीच चीतों के मरने की संभावना बढ़ जाती है। जंगली शासन करने के लिए चीतों का जंगल में छोड़ना बहुत जरूरी है। यही वह जगह होती है जहाँ तानाशाह की पराकाष्ठा दिखाई देती है। उन्हें तरह-तरह की हेडलाइन्स जैसे शेर लाया चीता, चीता आया विकास लाया, चीता है तो चिंता नहीं, चीता की आंधी में उड़ी टी-शर्ट, चीता की रफ्तार हर पदयात्रा है बेकार, न रोजगार न अत्याचार चीता करेगा चमत्कार जिमाते रहें। गोदी मीडिया की फेंकू खबरों से निकलती ठंडी हवा में उन्हें मंद-मद मुस्कुराने दें। इस दौरान इसका अवश्य ध्यान रखें कि यह ठंडी हवा किसी दूसरी खबरों की ओर नहीं जानी चाहिए, नहीं तो चीता की बजाय चिंताएँ फैल जायेंगी। गोदी मीडिया का कैमरा हमेशा की तरह प्रधान खबरी पर, प्रधान खबरी का कैमरा चीतों पर केंद्रित होनी चाहिए। इससे चीतों की नजर देश के भटकाऊ विकास पर केंद्रित रहेंगी।

शिक्षा के क्षेत्र की शर्मनाक और दुखद घटना

ललित गर्ग

पंजाब के मोहाली में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में कथित अश्लील वीडियो लीक मामले ने समूचे राष्ट्र को हिला कर रख दिया। कई छात्राओं का आपत्तिजनक वीडियो बनाने और उसे अन्य लोगों को भेजने की जो यह शर्मनाक एवं चिन्ताजनक घटना सामने आई है, वह कई स्तर पर दुखी और हैरान करने के साथ-साथ ऊच्च शिक्षण संस्थानों की अराजक एवं असुरक्षित होती स्थितियों का खुलासा करती है। यह खौफनाक हरकत पीड़ित लड़कियों के सम्मान और उनकी जिंदगी से भी खिलवाड़ है। इन शिक्षा के मन्दिरों में संस्कार, ज्ञान एवं आदर्शों की जगह आज की युवा पीढ़ी का मस्तिष्क किस हद तक प्रदूषित हो गया है, अश्लील वीडियो प्रकरण उसकी भयावह प्रस्तुति है। यह एक गंभीर मसला है जिस पर मंथन किया जाना अपेक्षित है। अब तक जैसी खबरें आई हैं, उस संदर्भ में यह समझना मुश्किल है कि वहां पढ़ने वाली एक लड़की ने ही कई अन्य लड़कियों के नहाने के क्रम में चुपके से वीडियो बनाया तो उसके पीछे उसकी कौन-सी मंशा काम कर रही थी। अगर उसने अपने किसी दोस्त के कहने पर ऐसा किया तो उसका अपना विवेक क्या कर रहा था! इस प्रकरण को लेकर यूनिवर्सिटी की छात्राओं में आक्रोश होना स्वाभाविक है। उनके अभिभावक चिंतित हैं। पिछले दो दिन से जमकर बवाल मचा हुआ है। हजारों छात्राएं इंसाफ की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। यूनिवर्सिटी को एक हफ्ते के लिए बंद कर दिया गया है। यद्यपि पंजाब पुलिस ने कथित अश्लील वीडियो बनाने वाली छात्रा, उसके ब्वाय फ्रैंड और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। होस्टल के सभी वार्डनों का तबादला कर दिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए ये उपाय ज्यादा कारगर नहीं कहे जा सकते। इसीलिये छात्राओं और उनके अभिभावकों की चिंता और गुस्सा शांत होता दिखाई नहीं दे रहा। हमारे उच्च शिक्षण संस्थान हिंसा, ड्रग्स, नशा, अश्लीलता एवं अराष्ट्रीयता को पोषण देने के केन्द्र बनते जा रहे हैं। मोहाली में जो भी हुआ वह शिक्षा के क्षेत्र में काफी शर्मनाक और दुखद है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जिस तरह का वातावरण बन रहा है, वह न केवल हमारी युवा पीढ़ी के लिए बल्कि समाज के लिए भी घातक साबित हो रहा है। कौन नहीं जानता कि पंजाब के विश्वविद्यालय में और कॉलेज

कैंपस में न केवल ड्रग्स उपलब्ध है बल्कि युवा पीढ़ी कई तरह के व्यसनों की शिकार है। इन परिसरों में छात्राओं के साथ अश्लील एवं आपत्तिजनक उत्तेजक दृश्य आम बात है। इस प्रकार की रिपोर्टें मिलती रही हैं कि एक लोकप्रिय और प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी के होस्टल में हथियार बरामद हुए और वहां से कुछ अवांछित तत्वों की गिरफ्तारी भी हुई लेकिन ऐसी खबरें भी दबा दी जाती हैं क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन का दबदबा हर जगह है। इस यांत्रिक युग ने सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को पूरी तरह प्रदूषित कर दिया। जहां एक ओर तकनीकी क्षेत्र में हमारा उत्थान हुआ है वहीं दूसरी ओर हमारा नैतिक रूप से पतन भी हुआ है। देश के मासूम, नवजवान विशेषतः छात्राएं रोज अपने जीवन एवं जीवन के उद्देश्यों को स्वाह कर रहे हैं। कॉलेज कैंपस में उठने वाली इन अश्लीलता, कामुकता हिंसा एवं नशे की घटनाएं केवल धुआं नहीं बल्कि ज्वालामुखी का रूप ले रही है। जो न मालूम क्या कुछ स्वाह कर देगी। जो न मालूम राष्ट्र से कितनी कीमत मांगेगी। देश की आशा जब किन्हीं मौज-मस्ती, संकीर्ण एवं अराष्ट्रीय स्वार्थों के लिये अपने जीवन को समाप्त करने के लिए आमादा हो जाए तो सचमुच पूरे राष्ट्र की आत्मा, स्वतंत्रता के पचहतर वर्षों की लम्बी यात्रा के बाद भी इन स्थितियों की दयनीयता देखकर चीत्कार कर उठती है। छात्र जीवन की इन घटनाओं ने देश के अधिकांश विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों को इतना अधिक उद्वेलित किया है जितना कि आज तक कोई भी अन्य मसला नहीं कर पाया था। क्यों अश्लीलता एवं अराजकता पर उतर रहा है देश का युवा वर्ग? शिक्षा के माध्यम से केवल भौतिक संपन्नता एवं उच्च डिग्रियां प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं होता, शिक्षा द्वारा हम एक अच्छे इनसान और बेहतर नागरिक भी बनने चाहिएं। इसके लिए अपनी शालीन परंपरा, आदर्शों व जीवन मूल्यों से जुड़ना आवश्यक हो जाता है। मानसिक विकास के बिना भौतिक विकास सार्थक नहीं हो सकता है।

अक्सर ऐसे मामलों में पुलिस एवं कालेज प्रशासन सत्य को छिपाने एवं दबाने के प्रयास करते हैं। यही मोहाली में देखने को मिल रहा है, जिसके कारण छात्राओं का भरोसा पुलिस और यूनिवर्सिटी प्रशासन से उठ चुका है और वे होस्टल छोड़कर घरों को वापिस लौटने लगी हैं। अब बहुत सारे सवाल उठ रहे हैं कि क्या जमकर हुआ बवाल महज अफवाह पर आधारित था या इसमें कोई सच्चाई है। छात्राओं का दावा है कि कम से कम 60 छात्राओं के वीडियो बनाए गए हैं। तरह-तरह की कहानियां सामने आ रही हैं, जितने मुंह उतनी बातें। सच सामने आना ही चाहिए लेकिन सच तभी सामने आएगा जब इस केस की जांच निष्पक्ष एवं ईमानदार ढंग से होगी। अर्ध सत्य कभी-कभी पूर्ण सत्य से भी ज्यादा खतरनाक हो जाता है।

> फिर युवाओं के भीतर उम्र या अन्य वजहों से जो मानसिक-शारीरिक उथल-पुथल होती है, उससे संतुलित तरीके से निपटने और खुद को दिमागी रूप से स्वस्थ और संवेदनशील बनाए रखने में इस तरह की आधुनिक तकनीक बाधा बन रही है। अगर ऐसी प्रवृतियां कभी किसी अपराध के रूप में सामने आती हैं तो निश्चित रूप से कानूनी तरीके से निपटना ही चाहिए, लेकिन इसके दीर्घकालिक निदान के लिए इन आधुनिक तकनीकों या संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर विवेक और संवेदना का खयाल रखने के साथ-साथ सामाजिक प्रशिक्षण भी जरूरी है।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की सहज उपलब्धता एक ज्वलंत समस्या के रूप में हमारे सामने आ खड़ी हुई है। एक के बाद एक एमएमएस स्कैंडल सामने आ रहे हैं। दरअसल समस्या यह भी है कि अभिभावक छोटी उम्र में ही बच्चों को स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने की आदतें डाल रहे हैं। इसका आगे चलकर बच्चों की मासूम मानसिकता पर गलत प्रभाव पड़ता है। स्मार्ट फोन पर आसानी से उपलब्ध अनुचित एवं अश्लील सामग्री से बच्चों को दूर रखना बहुत जटिल होता जा रहा है। आज के बच्चे किशोर तो होते ही नहीं बल्कि बचपन से सीधे युवा हो रहे हैं। सोशल साइटों पर और अन्य वैबसाइटों पर उपलब्ध अश्लील सामग्री का प्रभाव व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक देखने को मिल रहा है, आज के शिक्षण संस्थान उससे अछूते नहीं है।

मोहाली प्रकरण में प्याज के छिल्कों की तरह अब सच धीरे-धीरे सामने आने लगा है और कहानी के कई कोण उभरने लगे हैं। क्या यह सारा प्रकरण लड़कियों को ब्लैकमेल करने के लिए किया गया। अब एक और अन्य लड़की का वीडियो मिलने से पुलिस के बयानों एवं मामले की सत्यता भी सामने आ रही है कि पुलिस किस तरह सच को झूठ ठहरा रही है। अगर इसके पीछे कोई और व्यक्ति या समूह है तो उसे भी कानून के कठघरे में लाया जाना चाहिए। किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की यह मांग होगी कि अगर ये आरोप साबित होते हैं तो कानून के मुताबिक दोषियों को सख्त सजा मिले। लेकिन सवाल यह भी है कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए जो छात्रावास बनाए गए हैं, उसमें नहाने की वह कैसी व्यवस्था है कि किसी छात्रा या अन्य व्यक्ति को चुपके से वीडियो बना लेने का मौका मिल जाता है?

छात्राओं की अस्मिता एवं इज्जत का ख्याल रखते हुए ही समुचित व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अगर इस तरह की असुरक्षित और लापरवाही भरी परिस्थिति में छात्राओं को रहना पड़ता है तो इसकी जिम्मेदारी किस पर आती है? इस तरह की व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासतौर पर जब ऐसी घटना होने की खबर आ चुकी है। यह छिपा नहीं है कि हमारे सामाजिक परिवेश में आजकल बहुत सारे लोगों के हाथ में कैमरे से लैस स्मार्टफोन तो आ गए हैं, लेकिन इसके इस्तेमाल और इसके जोखिम को लेकर बहुत कम लोग जागरूक हैं।

फिर युवाओं के भीतर उम्र या अन्य वजहों से जो मानसिक-शारीरिक उथल-पुथल होती है, उससे संतुलित तरीके से निपटने और खुद को दिमागी रूप से स्वस्थ और संवेदनशील बनाए रखने में इस तरह की आधुनिक तकनीक बाधा बन रही है।

अगर ऐसी प्रवृत्तियां कभी किसी अपराध के रूप में सामने आती हैं तो निश्चित रूप से कानूनी तरीके से निपटना ही चाहिए, लेकिन इसके दीर्घकालिक निदान के लिए इन आधुनिक तकनीकों या संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर विवेक और संवेदना का खयाल रखने के साथ-साथ सामाजिक प्रशिक्षण भी जरूरी है।

केवल प्यार ही घृणा को दूर कर सकता है

प्रियंका सौरभ

"**आंख** के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है।" महात्मा गांधी के शब्द हैं जो 21वीं सदी में भी प्रासंगिक हैं। मनुष्य ने हमेशा शांतिपूर्ण और खुश रहने के प्रयास किए हैं - परिवार से लेकर राष्ट्र तक - शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना अनिवार्य है। अनिवार्य रूप से शांति क्या है? यह मानव मन की एक अवस्था के अलावा और कुछ नहीं है, जो आधुनिक विज्ञान के लिए भी पूरी तरह से समझाने के लिए परिष्कृत बनी हुई है। हालाँकि, शांति / निर्वाण / खुशी की उपलब्धि - चाहे वह कोई भी नाम हो, प्राचीन काल से ही अन्वेषण का विषय रहा है। मानव जाति ने बहुत सी लड़ाइयाँ देखी हैं। मवेशियों, भूमि, संसाधनों, उपनिवेशों, क्षेत्रों आदि के लिए लड़ाई। इनमें से अधिकांश लड़ाई प्रतिद्वंद्वियों के बीच गलतफहमी के कारण हुई। इस प्रकार शांति जो मानव जाति के समग्र विकास के लिए आवश्यक है, उसे मायावी बना दिया गया। एक शांतिपूर्ण वातावरण सामंजस्यपूर्ण जीवन सुनिश्चित करता है और आपसी समझ के लिए मार्ग प्रदान करता है। यह समझ बातचीत, चर्चा, क्रॉस-सांस्कृतिक आदान-प्रदान आदि के माध्यम से शांति को और मजबूत करती है। इस प्रकार एक पुण्य चक्र बनाया जाता है। दूसरी ओर, यदि बल द्वारा शांति थोपी जाती है, तो प्रतिस्पर्धी व्यक्तियों, समूहों, राज्यों आदि के बीच अविश्वास और शत्रुता की भावनाएँ पैदा होंगी। यहाँ कोई भी छोटी-सी गलतफहमी संघर्ष में बदल सकती है, जिससे परस्पर विरोधी दलों को नुकसान हो सकता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि लंबे समय तक शांति कायम रहने के लिए दूसरे पक्ष के हितों की समझ जरूरी है। मनुष्य के प्राचीन अभिलेखों के अनुसार, चाहे वह बाइबिल हो, कुरान हो या वेद, सभी ने सर्वसम्मति से विभिन्न तरीकों से सुझाव दिया है कि शांति केवल प्रेम, करुणा और समझ के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। ज्ञान के ये शब्द समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और हमारे अतीत के पन्नों को पलट कर देखे तो इस तथ्य की पुष्टि की जा सकती है। अभिजात वर्ग कभी भी सफल नहीं हुआ है और न ही कभी युद्ध या विद्रोह किसी समस्या का समाधान रहा है। हिटलर से लेकर सद्दाम तक सभी का कड़ा विरोध किया गया। भारतीय इतिहास पर नजर डालें तो हम देखते हैं कि उपमहाद्वीप का अच्छा शासन उन शासकों के दिनों में था जो लोगों की समस्याओं और उनकी प्रजा के हितों को समझते थे। यह अशोक के "धम्म" से अकबर के मुगल दरबार में नियुक्तियों तक स्पष्ट है। भारत ने हमेशा अहिंसा के अपने उपदेश के लिए दुनिया के सामने एक उदाहरण पेश किया है और उन मुद्दों की खोज करने की रणनीति जो उसके सामने हैं या जिनका सामना करना पड़ रहा है। महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने बिना रक्तपात के प्रतिरोध की एक नई पद्धति का आविष्कार किया और तब से दुनिया ने सत्याग्रह का स्वाद चखा। गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने दुनिया को दिखाया है कि, कभी-कभी शांति को मौन के साथ बनाए रखा जा सकता है और जरूरी नहीं कि हर बार एक विशेष पक्ष लिया जाए। पंचशील समझौता अलग नहीं है। भारत, एक राष्ट्र के रूप में, दुनिया के सामने आसानी से यह साबित कर सकता है कि उसकी अहिंसा और समझ की नीति पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश में संक्रमण, आईसीजे के लिए एक भारतीय न्यायाधीश के चुनाव जैसी घटनाओं के साथ बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है। भारत ने, यहां तक कि एक विकासशील राष्ट्र होने के नाते, अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने की जिम्मेदारी ली है और इस प्रकार तथाकथित "महाशक्तियों" में से कई के लिए एक रोल मॉडल होने के नाते एक नैतिक जिम्मेदारी है क्योंकि हम सभी धरती माता पर किरायेदार हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि एक देश के रूप में, एक नागरिक के रूप में और एक साथी के रूप में "सामाजिक रूप से जिम्मेदार" होना है।

एक देश के रूप में सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने की प्रक्रिया के बीच भी, हमारा देश अन्य राष्ट्रों की तरह कई समस्याओं का सामना कर रहा था और कर रहा है। लेकिन अधिक समझदार और जिम्मेदार सरकार और समाज के आधार पर, विभिन्न आंतरिक मुद्दों से निपटने के लिए हमेशा अथक प्रयास किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के मुद्दों को सरकार द्वारा उनकी समस्याओं के प्रति अधिक समझदार होने से रोका जा सकता है। भारत सरकार की "पूर्व की ओर देखो नीति" ने निपटान की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है पूर्वी राज्यों में अशांति व्याप्त है। बांग्लादेश के साथ एन्क्लेव समझौता दोनों सरकारों की ओर से अधिक समझदारी भरा कदम रहा है और इसने गंभीर चिंता के मुद्दे को शांति से सुलझा लिया है।

धर्म हमेशा से दंगों का कारण रहा है और इसने समाज में असहिष्णुता के लिए एक वातावरण प्रदान किया है और यह राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर एक चिंता का विषय है। अयोध्या हो या यरुशलम, धर्म ने अपनी भूमिका निभाई है और लोगों को एक-दूसरे से अलग किया है। विडंबना यह है कि जो दुनिया को एक करने का उपदेश देता है वह अब दुनिया को अलग कर रहा है! यदि हम विभिन्न धर्मों के विभिन्न उपदेशों पर करीब से नजर डालें, तो यह समझा जा सकता है कि वे सभी प्रेम का प्रचार करते हैं और शांति फैलाने का इरादा रखते हैं। "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखो", बाइबल कहती है; "दयालु की पूजा करो और शांति फैलाओ", कुरान कहता है; "वसुधैव कुटुम्बकम", गीता कहती है और "क्रोधित विचारों से मुक्त लोगों को शांति मिलती है" बुद्ध कहते हैं। दुनिया को रहने के लिए एक शांतिपूर्ण जगह बनाने के लिए विश्व स्तर पर प्रयास भी किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र और इसी तरह के अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे डब्ल्यूटीओ, आईसीजे और कई अन्य लोगों ने आपसी समझ और आपसी सम्मान के आधार पर दुनिया में बड़े बदलाव किए हैं। "नोबेल शांति पुरस्कार" एक अभिनव अवधारणा थी जो वैश्विक परिदृश्य में समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के व्यक्तिगत प्रयासों को सामने लाती है और पहचानती है।

आतंकवाद से लड़ने के वैश्विक प्रयास और आतंकवाद को खत्म करने के लिए बातचीत हमें एक खूबसूरत कल की तस्वीर देती है। पाकिस्तान की 14 साल की मलाला हो या आईसीएएन जैसी सामाजिक संस्था, इन सभी ने मार्टिन लूथर किंग के शब्दों को सही ढंग से प्रतिध्वनित किया, जिन्होंने एक बार कहा था-

"अंधेरा अंधकार को दूर नहीं कर सकता, केवल प्रकाश ही कर सकता है। घृणा घृणा को दूर नहीं कर सकती; केवल प्यार ही कर सकता है।"

एम्स को एम्स ही रहने दो

आर.के. सिन्हा

अंग्रेजी के महान नाटककार विलियम शेक्सपियर भले ही कह गए हों कि नाम में क्या रखा है, पर कुछ नामों की तो बात ही अलग होती है। वे नाम सम्मान और आदर के लायक होते हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भी इसी तरह का एक स्थापित नाम है। एम्स यानी देश भर के मरीजों का भरोसा और विश्वास। यहां पर देशभर से हर रोज सैकड़ों रोगी और उनके संबंधी इस विश्वास के साथ आते हैं कि वे यहां से सेहतमंद होकर ही घर लौटेंगे। एम्स भी उनके भरोसे पर खरा उतरने की हरचंद कोशिश करता है। यहां के डॉक्टर, नर्स और बाकी स्टाफ हरेक रोगी को स्वस्थ करने के लिए अपनी जान लगा देते हैं। अब एम्स का नाम बदलने की कवायद शुरू हो गई है। सन 1956 में स्थापित एम्स के नाम को बदलने की वैसे तो कोई जरूरत तो नहीं है। एम्स के डॉक्टरों का भी मानना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। एम्स के डॉक्टरों का कहना है जब दुनिया भर में आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसी यूनिवर्सिटी ने सदियों से अपने नाम नहीं बदले तो एम्स को उसकी पहचान से क्यों अलग किया जाए? बात तो ठीक ही है। भारत में आईआईटी, आईएमए और एम्स शिक्षा के क्षेत्र में बेहद प्रतिष्ठित नाम हैं। इनकी सारी दुनिया में अलग पहचान होती है। एम्स में एमबीबीएस, एमएस, एमडी वगैरह कोर्सो में दाखिला पाने के लिए देश भर के सबसे मेधावी बच्चे हर वर्ष प्रयास करते रहते हैं। वे आगे चलकर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डाक्टर के रूप में भी जाने जाते हैं। एम्स अपने यहां पढ़े विद्यार्थियों को लगातार शोध करने और मानवीय बने रहने के लिए प्रशिक्षित करता रहता है। यहां के डाक्टरों में मानव सेवा का गजब का जज्बा देखने को मिलता है। विश्व विख्यात लेखक और मोटिवेशन गुरु डॉ.दीपक चोपड़ा, शिकागो यूनिवर्सिटी के पैथोलिजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार, गंगा राम अस्पताल के मशहूर लीवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंदर सिंह सोईन, एम्स के मौजूदा डायरेक्टर डॉ.रणदीप गुलेरिया, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.रमेश डेका, डॉ. पी.वेणुगोपाल, डॉ. सिद्दार्थ तानचुंग, यूरोलोजिस्ट डॉ. राजीव सूद जैसे सैकड़ों चोटी के डाक्टरों ने एम्स में ही शिक्षा ग्रहण की और फिर यहाँ बरसों सेवाएं भी दीं। डॉ. राजीव सूद ने कुछ सालों तक एम्स में सेवा देने के बाद राजधानी के राममनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) को ज्वाइन किया और फिर वे इसके डीन भी रहे। वे कहते हैं कि एम्स की तासीर में ही सेवा भाव है। जो एक बार एम्स रह लिया वह फिर मानव सेवा के प्रति समर्पित रहेगा ही। इधर डॉ. जीवन सिंह तितियाल, प्रोफेसर प्रदीप वेंकटेश, प्रो डॉ. राजवर्धन आजाद, प्रोफेसर तरुण दादा, प्रोफेसर विनोद अग्रवाल जैसे बेहतरीन नेत्र चिकित्सक हैं। इन्हें आप संसार के सबसे कुशल डाक्टरों की श्रेणी में रख सकते हैं। इन सब डाक्टरों की देखरेख में ही देश के नए डाक्टर तैयार होते हैं। आपको एम्स में देश के कोने-कोने से आए हजारों रोगियों का इलाज होता मिलेगा। यहां पर भिखारी से लेकर भारत सरकार का बड़े से बड़ा बाबू भी लाइन में मिलेगा। एम्स के डाक्टर किसी के साथ उनके पद या आर्थिक आधार पर भेदभाव भी नहीं करते। यहां पर सुबह-शाम रोगियों का आना-जाना इस बात की गवाही है कि देश को एम्स पर भरोसा है। एम्स भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री और गांधी जी की सहयोगी राजकुमारी अमृत कौर की दूरदर्शिता का नतीजा है। जिस निष्ठा और निस्वार्थ भाव से एम्स के डाक्टर रोगियों को देखते हैं, उससे तुरंत समझ आ जाता है कि ये सामान्य अस्पताल तो नहीं है। एम्स पर लगता है, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के रोगियों का खासा यकीन है। यहां आने वाले कुल रोगियों में बिहारियों का आंकड़ा ही लगभग 50 फीसद होगा। पटना, दरभंगा, किशनगंज, अररिया, मुजफ्फरपुर वगैरह के तमाम रोगी एम्स दिल्ली से स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। एम्स में काफी हद तक समाजवाद के दर्शन होते हैं। अगर एम्स राजकुमारी अमृत कौर के विजन का परिणाम था, तो इसके पहले डायरेक्टर डॉ. बी.बी. दीक्षित (1902-1977) ने इसे एक श्रेष्ठ अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के रूप में स्थापित किया। वे एक महान डाक्टर, अनुभवी शिक्षक और कुशल प्रशासक थे। एम्स 1956 में स्थापित हुआ तो सरकार ने डॉ दीक्षित को इसका पहला निदेशक का पदभार संभालने की पेशकश की गई। उन्होंने इस पद को एक शर्त पर स्वीकार किया। उनका कहना था कि वे किसी नेता या बड़े सरकरी अफसर का नियुक्तियां में हस्तक्षेप नहीं स्वीकार करेंगे। वे एक ईमानदार और कड़क इंसान थे।

वे पुणे के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रह चुके थे। वे फिजीऑलजी (शरीर विज्ञान) विषय के प्रोफेसर भी थे। डॉ. दीक्षित ने अपने कार्यकाल में एम्स में चोटी के प्रोफेसरों/डाक्टरों को जोड़ा। वे हरेक नियुक्ति उम्मीदवार की योग्यता पर करते थे।

जंगली न्याय

डॉ. सुरेश कुमार

जंगल की जंगली पंचायत बैठ चुकी थी। शावक ने अपना पक्ष रखते हुए खरगोश की ओर इशारा करते हुए कहा, हे सरपंच! इस खरगोश ने मेरे सामने मेरे पिता शेर को कुएँ में मजबूर होकर कूदने पर विवश कर दिया और मेरे पिता की मौत हो गई। मैं जब तक अपनी माँ को यह सब बताकर उसे कुएँ के पास ले आता तब तक पिता शेर की बॉडी को निकालकर खरगोश ने खा लिया।। इतना ही नहीं यह मुझे पंचायत में सच बोलने पर मेरे पिता की तरह ही जान से मारने की धमकी भी दे रहा है।" गवाह प्रत्यक्षदर्शी था। उसने शेर को मरते देखा था, उसका बयान महत्वपूर्ण था। खरगोश ने अपने बचाव में ढेर सारे तर्क दिए। खरगोश ने कहा, "खरगोश शेर को मारकर कैसे खा सकता हैं। वह तो शाकाहारी है। जान बचाने के लिए मैंने बस इतना झूठ कहा था कि उस कुएँ में एक और शेर है। वैसे शेर के सामने खरगोश की क्या विसात? दुनिया की रीत और प्रकृति के अनुसार तो शेर ही खरगोश को खाता है. यह तो सभी जानते हैं। सरपंच भी शेर था। उसने गुस्से से खरगोश को डांटते हुए कहा, "बकवास बंद करो। दुनिया की रीत प्रकृति के नियम हमें मत समझाओ। पचांयतें दुनिया और प्रकृति के नियम से नहीं। सबूत और गवाह से चलती हैं, तुम्हें शेर को मरने के लिए उकसाने और और बाद में उसे खाने जैसे घिनौनी हरकत के लिए सजा-ए-मौत दी जाती है।" और सरपंच सिंह ने सिपाही सियार को संदेश भिजवाया कि खरगोश को मौत की सजा देने के बाद उसका गोश्त मेरे घर पर भिजवा दिया जाए। हिसाब बराबर।

मऊ में चौपाल में एसडीएम ने निपटाई पांच समस्यायें

चौपाल में नाली, खडंजा, आवास, आंगनबाडी केन्द्र कई अन्य समस्यायें सामने आने पर एसडीएम ने निस्तारण का भरोसा दिया

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के मनका छतैनी गांव में एसडीएम नवदीप शुक्ला ने चैपाल लगाकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनकर जल्द समाधान का भरोसा दिया। जनचैपाल में तीस मामलों में पांच का मौके पर निस्तारण किया।

मंगलवार को एसडीएम नवदीप शुक्ला को मऊ तहसील के मनका छतैनी गांव में लगाई चैपाल में ग्रामीणों ने सोलर प्लांट से संबंधित शिकायतें की। किसानों ने कहा कि उनकी भूमि के लिए बीस हजार रुपये प्रति एकड भुगतान की बात हुई थी। सोलर प्लांट कर्मचारी महज 17 हजार प्रति एकट दे रहे हैं। एग्रीमेन्ट के अनुसार समय से भुगतान भी नहीं हो रहा है। स्थानीय लोगों को सोलर प्लांट में काम से भी निकाल दिया गया है।

एसडीएम ने किसानों को समस्या के समाधान का जल्द भरोसा दिया। चैपाल में नाली, खडंजा, आवास, आंगनबाडी केन्द्र कई अन्य समस्यायें सामने आने पर एसडीएम ने निस्तारण का भरोसा दिया।

ग्रामीणों से कहा कि कोई भी समस्या आने पर प्रधान से भेंटकर अपनी बात कह सकते हैं। इस मौके पर तहसीलदार शशिकान्त मणि, पशुधन प्रसार अधिकारी प्रतीक्षा मिश्रा, प्रधान सुनील शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जेईई एडवांस में रैंक मिलने पर प्रशांत गुप्ता सम्मानित

चित्रकूट। सुषमा स्वरूप इण्टरनेशनल स्कूल अशोह के परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह में जेईई एडवांस में नेशनल स्तर पर 6497 रैंक मिलने पर प्रशान्त गुप्ता को स्कूल ने 5100 रूपए का चेक एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया। मंगलवार को हुए सम्मान समारोह में जिला विद्यालय निरीक्षक बलिराजराम ने कहा कि छात्रों को समय का सही उपयोग करना चाहिए। माता-पिता एवं शिक्षक के आशीर्वाद से बच्चे अथक प्रयास कर अच्छे परिणाम लाते हैं। सही मार्गदर्शन व आशीर्वाद से विद्यार्थियों में काफी निखार आता है। 17 सितम्बर को बांदा में आयोजित मंडल स्तरीय बॉलीबाल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर रही स्कूल की टीम को भी ट्राफी देकर सम्मानित किया। विद्यालय के चेयरपरसन अजय कुमार अग्रवाल, प्रबंधक उमंग गोयल एवं प्रधानाचार्य नीतू वर्मा के साथ सहायक अध्यापकों ने बधाई दी। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कम्पनियों ने 52 छात्र-छात्राओं का किया चयन

चित्रकूट। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में रोजगार मेले में फ्रोनेसिस वर्च्यू प्रा लि ने कैम्पस सेलेक्सन को 52 छात्र-छात्राओं का चयन किया।

मंगलवार को फ्रोनेसिस वर्च्यू प्रा लि के प्रबंधन अधिकारियों ने अमर कुमार सोनकर डॉ शैलेन्द्र श्रीवास्तव, अवयक्त रुपम और अमित कुमार ने रोजगार मेले में आईटीआई पास जिले के 70 से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया। प्रधानाचार्य वीके तिवारी ने चयनित युवाओं से कार्य स्थल पहुंचकर जल्द कार्य शुरू करने की अपील की।

कैम्पस सेलेक्सन में 52 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। इस मौके पर प्लेसमेन्ट प्रभारी जिल्लुर रहमान, नरेन्द्र कुमार, अप्रेंटिस प्रभारी धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, राइटवाक फाउंडेशन के अनूप द्विवेदी आदि कर्मचारी मौजूद रहे

डफाई बस्ती में तीन बच्चे मिले कुपोषित

चित्रकूट। सर्वोदय सेवा आश्रम चाइल्ड लाइन टीम काउंसलर नीलू देवी व टीम मेम्बर दीपा शुक्ला, श्यामनन्द सिंह, आंगनबाडी अनीता देवी के साथ पोषण माह अभियान के तहत कर्वी ब्लाक के अकबरपुर गांव के मजरा बुद्धनगर डफाई बस्ती में भ्रमण किया।

मंगलवार को चाइल्ड लाइन टीम के सदस्यों ने अकबरपुर गांव की डफाई बस्ती में भ्रमण कर गांव की महिला शान्ती देवी के घर बैठक की। बैठक में जीरो से 24 माह तक के 38 बच्चों का वजन कराया। इनमें तीन बच्चे कुपोषित मिले। महिलाओं को कुपोषण के बारे में मीना देवी ने बताया कि गांव की ज्यादातर महिलायें अपने बच्चों का वजन नहीं कराती। गांव की गर्भधात्री महिलाओं को पोषाहार नहीं मिलता।

गांव की महिलाओं ने बताया कि बस्ती में साफ-सफाई भी नहीं होती है। इससे बच्चों में स्वास्थ्य को लेकर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। इस मौके पर चाइल्ड लाइन समन्वयक विशेष त्रिपाठी व रामचन्द्र आदि लोग मौजूद रहे।

चोरों ने ताला तोड़ किराना दुकान में की चोरी

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के खण्डेहा गांव में चोरों ने रात्रि में मौका देखकर एक किराना की दुकान का ताला तोडकर सामान समेत नकदी रुपये चुराकर चम्पत हो गये। चोरी की ये घटना सोमवार की रात हुई। मऊ थाना क्षेत्र के खण्डेहा गांव की शिवरजिया देवी पत्नी स्व ननकूराम ने बताया कि तबियत खराब होने से वह रात में अपने पैतृक आवास में रुक गई थी। उसकी नातिन भी उसके साथ थी। जब सवेरे वह अपनी किराना दुकान में आई तो देखकर दंग रह गई। दुकान का सभी सामान गायब मिला। उसकी संदूक से भी बिछुआ, छागल, कान के झुमके, नकदी तीन हजार रुपये, बैंक पासबुक व किराने का सभी सामान गायब मिला। चोरों ने बैंक पासबुक संदूक से निकालकर काउंटर के नीचे फेंक दिया था। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर चोरों को जल्द पकडने का दावा किया है।

कल्याण केन्द्र आश्रम में भाजपाइयों ने की सफाई

चित्रकूट। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाडा के तहत इन्दिरानगर मानिकपुर में कल्याण केन्द्र आश्रम स्थित मन्दिर में साफ-सफाई की गई।

मंगलवार को भाजपा बूथ अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा, भाजपा युवा मोर्चा मंडल मानिकपुर अध्यक्ष शिवपूजन द्विवेदी, इन्दिरानगर के वार्ड मेम्बर बबलू सोनकर, रज्जू पयासी, चुन्नू पटेल, पप्पू पटेल, राहुल सेन समेत भाजपा नेता/जिला उपाध्यक्ष जितेन्द्र मोहन शुक्ल ने कल्याण केन्द्र आश्रम स्थित मन्दिर की साफ-सफाई कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बाबत लोगों को जानकारी दी।

स्वच्छता अभियान दौरान भाजपाइयों ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सभी स्थानों पर सफाई रखने के प्रति लोगों को जागरूक किया। कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।

जानवरों को खुला छोडने पर होगा जुमार्ना: एसडीएम

चित्रकूट। मानिकपुर एसडीएम प्रमेश कुमार श्रीवास्तव ने नगर पंचायत क्षेत्र में अन्ना जानवरों के बढने के चलते मंगलवार को तडके चार बजे तहसील परिसर आवास से निकलकर ड्राइवर-गनर को साथ लेकर रेलवे स्टेशन परिसर पहुंचे।

मंगलवार को एसडीएम प्रमेश कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर नगर पंचायत कर्मियों को बुलाकर सडकों में विचरण कर रहे अन्ना जानवरों को गौशाला पहुंचाने के निर्देश दिये। अचानक एसडीएम को हरकत में आया देख नगर पंचायत कर्मी आनन-फानन में अन्ना जानवरों को खदेडकर गौशाला पहुंचाया। खुद अन्ना जानवरों के साथ एसडीएम को देखकर नगरवासी कानाफूसी करते दिखे।

इस बाबत एसडीएम प्रमेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रात्रि कालीन कुछ लोग दूध दुहने के बाद अपने जानवरों को छोड देते हैं। ऐसी शिकायतें मिलने पर जल्द ही अलग-अलग मोहल्लों में अभियान चलाकर जानवरों को कांजी हाउस में बन्द कराया जायेगा। जानवरों को खुला छोडने वाले पशु पालकों के खिलाफ कार्यवाही कर जुमार्ना वसूल किया जायेगा।

IND vs AUS: क्या विराट कोहली को करना चाहिए पारी का आगाज? रिकी पोंटिंग ने दिया जवाब

नई दिल्ली. भारतीय पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एशिया कप 2022 में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने शतक के सूखे को खत्म किया। कोहली के बल्ले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1020 दिन बाद शतक निकला जब उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रनों की नाबाद पारी खेली। यह विराट कोहली के करियर का 71वां शतक था। कोहली के बल्ले से यह शतक बतौर ओपनर निकला था क्योंकि उस मैच में रोहित शर्मा नहीं खेल रहे थे। ऐसे में अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या कोहली को आगामी मैचों में भी ओपनिंग करनी चाहिए? इस सवाल पर अब पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने राय दी है।

बतौर ओपनर कोहली ने टी2- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक 9 मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 57.14 के स्ट्राइक रेट से 400 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 161.29 का रहा है। यही वजह है कि क्रिकेट के गलियारों में कोहली के बतौर ओपनर खेलनी की बातें हो रही है।

जब यह सवाल पोंटिंग से किया गया तो उन्होंने आईसीसी से कहा %हम यह सवाल पूछते आ रहे हैं और मुझे यकीन है कि भारतीय चयनकर्ता भी यही सवाल पूछ रहे हैं कि क्या इससे विराट को बल्लेबाजी में 100 रन बनाने के बारे में जितना हमने सोचा था, उससे कहीं अधिक समस्या पैदा होती है? विश्व कप में जाने के लिए अब हम क्या करने जा रहे हैं?

उन्होंने आगे कहा तो कुछ अन्य सवाल हैं जो शायद उस शानदार शतक के बाद उठाए गए हैं। उसने खुद इस शतक के बाद कहा था कि वह हैरान है कि उसका वापस पहला शतक इस फॉर्मेट में आएगा।। उन्होंने सोचा कि कुछ वर्षों में अपना पहला शतक बनाने के लिए यह आखिरी विकल्प होगा।

पिच क्यूरेटर को सचिन तेंदुलकर का रिटर्न गिफ्ट, ऑटोग्राफ वाली टी-शर्ट और जूते

इंदौर. मध्यप्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) के मुख्य क्यूरेटर समंदर सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उन्हें इंदौर में खास तोहफे के तौर पर अपने ऑटोग्राफ वाली टी- शर्ट और जूते दिए हैं। चौहान के मुताबिक तेंदुलकर ने उन्हें यह तोहफा उस गेंद के बदले दिया जिससे %%मास्टर ब्लास्टर% ने 12 साल पहले ग्वालियर में इंटरनेशनल वनडे इतिहास का पहला दोहरा शतक जड़ा था।

गौरतलब है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टूर्नामेंट के टी-20 मुकाबलों के सिलसिले में तेंदुलकर पिछले चार दिन से इंदौर में थे। टी20 फॉर्मेट वाले इस टूर्नामेंट में पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटरों से सजी अलग-अलग देशों की टीमों के बीच मुकाबले हो रहे हैं और इसमें तेंदुलकर इंडिया लीजेंड्स टीम की अगुवाई कर रहे हैं। चौहान ने बताया कि इंडिया लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच आयोजित मैच सोमवार रात बारिश से धुलने के बाद तेंदुलकर ने उन्हें अपनी टीम के ड्रेसिंग रूम में बुलाया और खास तोहफे के रूप में जूते व अपने ऑटोग्राफ वाली टी-शर्ट दी।

बहरहाल, तेंदुलकर के इस तोहफे से एक दिलचस्प वाकया जुड़ा है। एमपीसीए के मुख्य क्यूरेटर ने बताया कि तेंदुलकर जब प्रैक्टिस के लिए रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम पहुंचे, तो वह ग्वालियर में वर्ष 2010 में उनके द्वारा लगाए गए दोहरे शतक के कीर्तिमान से जुड़ी गेंद लेकर 'मास्टर ब्लास्टर' के पास पहुंचे थे और उनसे इस गेंद पर ऑटोग्राफ देने की गुजारिश की थी।

चौहान ने बताया, 'यह गेंद देखते ही खुश हुए तेंदुलकर ने मुझसे पूछा था कि क्या मैं इसे उन्हें तोहफे में दे सकता हूं? मैं तुरंत सहमत हो गया क्योंकि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।' उन्होंने बताया कि ग्वालियर में 12 साल पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया एक दिवसीय मैच खत्म होने के बाद उन्होंने तेंदुलकर के दोहरे शतक के कीर्तिमान से जुड़ी गेंद को यादगार के तौर पर सहेज कर रख लिया था।

विकेट तैयार करने में चार दशक से ज्यादा का अनुभव रखने वाले क्यूरेटर ने बताया कि ग्वालियर के कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम के जिस पिच पर तेंदुलकर ने यह कीर्तिमान बनाया, उसे उन्होंने ही तैयार किया था ग्वालियर में 24 फरवरी 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक दिवसीय मुकाबले में तेंदुलकर ने 147 गेंदों पर 25 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 200 रन की नाबाद पारी खेली थी। यह वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी बल्लेबाज का पहला दोहरा शतक था।

सार-समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आदिवासियों पर पुलिस का बढ़ रहा अत्याचार, विरोध प्रदर्शन में जाम की गईं सड़कें

खैबर पख्तूनख्वा (पाकिस्तान). पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा पुलिस का अत्याचार यहां रह रहे आदिवासियों पर दिन पर दिन और बढ़ता जा रहा है। पुलिस के बढ़ते अत्याचारों के विरोध में स्थानीय लोगों ने रविवार को कई घंटे तक सड़क जाम कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने पाकिस्तान के अखबार डॉन के हवाले से बताया कि आंदोलनकारियों ने मुख्य पेशावर-तोरखम राजमार्ग को लंबे समय तक बंद कर दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोग लगातार मांग करते रहे कि खैबर पुलिस इस क्षेत्र में अपने अत्याचारों और गैरकानूनी कामों पर रोक लगाए।

हाल ही की एक घटना में कुछ पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को अवैध हिरासत में रखा। पुलिस द्वारा उनके शरीर की अवैध तलाशी ली गई। इसके अलावा उनके वाहन को आगे की तलाशी के लिए एक ऑटो वर्कशॉप में भी ले जाया गया। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों के परिवार ने महिलाओं को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लेने में शामिल अधिकारियों को निलंबित करने और उनके इन गलत कामों की संक्षिप्त जांच की मांग की है।

बता दें कि खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति हमेशा इस क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों के लिए चिंता का एक प्रमुख कारण रही है। यहां के पुलिस प्रशाशन ने उनके जीवन के दुखों को और बढ़ा दिया है।

हाल ही में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कुर्रम की चमकानी जनजाति पेशावर प्रेस क्लब के बाहर इकट्ठा हुई थी। इन सबने अपनी मांगों के नारों के साथ बैनर और तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही इन्होंने सरकार से कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यावहारिक और प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के नेता और पूर्व मंत्री मुराद सईद ने देश की शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार पर विभाजन की बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है।

US STORM: तूफान फियोना ने उत्तर अमेरिकी देश प्यूर्टो रिको में मचाई तबाही, सैनिकों ने सैकड़ों लोगों को बचाया

सैन जुआन. तूफान फियोना (Hurricane Fiona) उत्तर अमेरिकी देश प्यूर्टो रिको में तबाही मचा रहा है। नेशनल गार्ड के सैनिकों ने सैकड़ों फंसे हुए निवासियों को बचाया। तूफान की वजह से लोगों को पावर कट का सामना करना पड़ रहा है। राज्यपाल ने चेतावनी दी कि बिजली वापस आने में कुछ दिन लग सकते हैं।

तूफान मारिया के परिणामस्वरूप, जिसने 2017 में लगभग 3,000 लोगों की जान ले ली और पावर ग्रिड को नष्ट कर दिया, फियोना का प्रभाव और भी अधिक विनाशकारी है।

राष्ट्रीय मौसम सेवा कार्यालय ने कहा प्यूर्टो रिको के पश्चिमी तट पर भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकांश नदियां उफान पर है और रात भर बारिश जारी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को पुर्तो रिको के लिए एक आपातकालीन की घोषणा की थी। उन्होंने संघीय आपात प्रबंधन एजेंसी को आपदा राहत प्रयासों में समन्वय स्थापित करने और आपातकालीन सुरक्षात्मक उपाय प्रदान करने के आदेश दिए। तूफान के परिणामस्वरूप, सड़कों से फुटपाथ टूट गया है। कई छतें टूट गईं और मूसलाधार बारिश हुई। दो हवाई अड्डों पर भी पानी भर गया और एक पुल नष्ट हो गया।

अधिकारियों ने तूफान से दो मौतों की सूचना दी है, जिसमें बताया गया कि एक प्यूर्टो रिकान में एक व्यक्ति की मौत बाढ़ में बहने से हो गया था और डोमिनिकन गणराज्य में एक व्यक्ति की मौत पेड़ गिरने से हुई।

तूफान से अभी भी कुछ स्थानों पर 15 इंच (38 सेंटीमीटर) तक बारिश होने की उम्मीद है। तूफान को श्रेणी 3 या उच्चतर का एक बड़ा तूफान बनने का अनुमान था। मंगलवार को, यह तुर्क और कैकोस द्वीपों के करीब से गुजरने की उम्मीद थी और यू.एस. मुख्य भूमि के लिए खतरा नहीं था। अधिकारियों ने कहा कि प्यूर्टो रिको में एक मौत ब्लैकआउट से जुड़ी थी।

हम क्या चाहते आजादी! हिजाब पर भड़का ईरानी महिलाओं का गुस्सा, यूनिवर्सिटीज से सड़कों तक बवाल

ईरान के कई विश्वविद्यालयों में आंदोलन हो रहे हैं। फारस और तनशीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहाद में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पुलिस के खिलाफ गुस्सा दिख रहा है।

तेहरान. ईरान में महिलाओं ने हिजाब को लेकर पाबंदियों के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है और सड़कों पर उतर आई हैं। हिजाब न पहनने को लेकर गिरफ्तार एक महिला की मौत होने के बाद से ईरान में गुस्से और तनाव का माहौल है। कई जगहों पर महिलाओं ने विरोध में हिजाब को जला दिया है और अपने बाल तक काटे हैं। बीते शुक्रवार को महसा अमीनी नाम की 22 वर्षीय महिला की अस्पताल में तीन दिनों तक कोमा में रहने के बाद मौत हो गई थी। उसकी पुलिस की हिरासत में तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इसी को लेकर अब विरोध प्रदर्शन तेज हैं और सरकार की चिंताएं बढ़ रही हैं।

ईरान के कई विश्वविद्यालयों में आंदोलन हो रहे हैं। फारस और तनशीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहाद में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इ्स्र्क्ष न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने सेंट्रल तेहरान में प्रदर्शन किए हैं। एजेंसी के मुताबिक सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और अपने हिजाब उतार डाले। प्रदर्शन तेज होने के बाद पुलिस ने कई जगहों पर लाठीचार्ज किया है और आंसूगैस के गोले भी दागे हैं। यही

नहीं कई जगहों पर तो महिलाओं ने इस्लामिक रिपब्लिक मुर्दाबाद के नारे भी लगाए हैं।

ईरान में महिलाओं पर हैं कड़ी पाबंदियां

तेहरान की तरह ही मशहाद में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। मृतक महिला कुर्दिस्तान प्रांत की रहने वाली हैं, जो विरोध का दौर तेज है। फिलहाल पुलिस ने यह कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है ताकि आंदोलन को कुचला जा सके। दरअसल ईरान में महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों या घर से बाहर निकलने पर हिजाब पहनना अनिवार्य है। इसके अलावा चुस्त कपड़ों और जीन्स पहनने पर भी पाबंदी है। यही नहीं ज्यादा चमक-धमक वाले कपड़ों पर भी ईरान में ऐतराज जताया जाता है। इस को लेकर महिलाओं का एक वर्ग विरोध जाता रहा है, जिसे महिला की मौत ने और हवा दे दी है। इस बीच पुलिस का कहना है कि मृतका को पुलिस ने छुआ तक नहीं था।

पुलिस बोली- महिला ने किया ड्रेस कोड का उल्लंघन

तेहरान के पुलिस चीफ जनरल हुसैन रहीमी ने सोमवार को कहा कि महिला ने ड्रेस कोड का उल्लंघन किया था। इस पर पुलिस ने उसे पकड़ा था और उसके परिजनों से कहा था कि वे उसके लिए %सही% कपड़े लेकर आएं। इसके साथ ही रहीमी ने कहा कि महिला के साथ कोई बदसलूकी नहीं की गई थी। छात्रों ने महिला की मौत के खिलाफ प्रदर्शन किया है और जवाब मांगा है कि आखिर यह घटना कैसे हो गई। शाहिद बेहेश्ती यूनिवर्सिटी में विरोध तेज है।

Pakistan Politics: इमरान खान का दावा- 'रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मौजूदगी से डर गए थे पीएम शहबाज शरीफ'

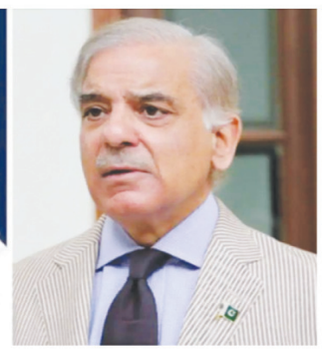

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर निशाना साधा है। इमरान खान ने पीएम शरीफ का मजाक उड़ाते हुए कहा कि उन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मौजूदगी के कारण डर लग रहा था। इमरान खान ने ये बयान पीएम शहबाज शरीफ और रूसी राष्ट्रपति की मुलाकात पर दिया है।

रूसी राष्ट्रपति से डर गए शहबाज शरीफ- इमरान

पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा कि उज्बेकिस्तान में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मौजूदगी में पीएम शहबाज शरीफ को डर लग रहा था। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान ने चकवाल में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 22वें एससीओ शिखर सम्मेलन में द्विपक्षीय बैठक के दौरान पुतिन की उपस्थिति में शहबाज शरीफ के पैर कांप रहे थे।

इमरान खान ने पीएम शहबाज पर साधा निशाना

इमरान खान ने पीएम शहबाज की विदेश यात्राओं के लिए आलोचना की। इमरान ने कहा कि बाढ़ की तबाही से देश बेहाल है, लेकिन शहबाज की संवेदनहीनता को देखो, वह ऐसी परिस्थितियों में दूसरे देशों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में बाढ़ आई है, लेकिन पीएम कौन सी लड़ाई जीतने जा रहे हैं।

शरीफ की 60 प्रतिशत कैबिनेट जमानत पर रिहा- इमरान

पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान ने कहा कि मैंने किसी भी प्रधानमंत्री को उस तरह की बात करते नहीं देखा है। जिस तरह से शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ की थी, वह उनसे पैसे मांग रहे थे। उन्होंने आगे खुलासा किया कि गुटेरेस को पता है कि शरीफ की 60 प्रतिशत कैबिनेट जमानत पर रिहा है। वह आपको किस आधार पर पैसे देंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज हैं।

राजनाथ सिंह ने मिस्र के समकक्ष से की मुलाकात, द्विपक्षीय रक्षा संबंधों समेत कई विषयों पर विस्तार से हुई बातचीत

काहिरा (मिस्र). भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय मिस्र की यात्रा पर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को काहिरा में अपने समकक्ष जनरल मोहम्मद जकी (General Mohamed Zaki) से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और बढ़ाने के लिए कई पहलों पर व्यापक चर्चा हुई।

राजनाथ सिंह ने रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (स्र्श्च) पर हस्ताक्षर भी किए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस कदम से न केवल भारत और मिस्र के बीच संबंधों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को नई गति और तालमेल भी मिलेगा।

राजनाथ सिंह ने एक ट्वीट में कहा, %मिस्र के रक्षा मंत्री जनरल मोहम्मद जकी के साथ काहिरा में बैठक हुई। इस दौरान हमने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और विस्तारित करने के लिए कई पहलों पर महत्वपूर्ण चर्चा की। रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से दोनों देशों को एक नई गति मिलती है और हमारे संबंधों के लिए तालमेल बढ़ते हैं। मिस्र यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि काहिरा अफ्रीका में भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदारों में से एक है और द्विपक्षीय व्यापार में काफी विस्तार हुआ है।

मिश्र के राष्ट्रपति से भी राजनाथ सिंह ने की मुलाकात

बता दें कि राजनाथ सिंह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और बढ़ाने के लिए रविवार से मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इससे पहले सोमवार को सिंह ने काहिरा में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने सैन्य सहयोग को और विकसित करने और संयुक्त प्रशिक्षण, रक्षा सह-उत्पादन और ई-मिस्र के रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमति व्यक्त की थी। 3.15 बिलियन अमेरिकी डालर के मौजूदा भारतीय निवेश के साथ इस क्षेत्र में यह भारत के लिए सबसे बड़े निवेश स्थलों में से एक है।

UNGA में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति, बैठक में देंगे पहला भाषण

सोल. दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भाग लेने और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ एक बहुप्रतीक्षित बैठक सहित कई शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति यून सुक-योल की न्यूयॉर्क यात्रा, लंदन में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार में उनकी उपस्थिति के बाद और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ एक शिखर सम्मेलन से पहले हो रहा है।

यून के कार्यालय के अनुसार, स्वतंत्रता-प्रेमी राष्ट्रों के

बीच एकजुटता बढ़ाने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करने वाले भाषण के साथ संयुक्त राष्ट्र के मंच पर अपनी शुरुआत करेंगे। भाषण संभावित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे सहयोगियों के साथ परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों के खतरे के खिलाफ शांति की रक्षा के लिए दक्षिण कोरिया की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेंगे। जापानी प्रधानमंत्री के साथ बैठक दिसंबर 2019 के बाद से दोनों देशों के बीच पहला शिखर सम्मेलन होगा। इससे युद्ध के समय के लिए मजबूर श्रम और जापान के कोरियाई प्रायद्वीप के 1910-45 के औपनिवेशिक शासन से संबंधित अन्य मुद्दों पर संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है।

तारीख और एजेंडे सहित बैठक के विवरण की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का कहना है कि यह सहमति के अनुसार आगे बढ़ेगा।

जापानी समाचार रिपोर्टों के अनुसार, इस बीच, जापान ने कोरियाई बंधुआ मजदूरों के लिए मुआवजे के मुद्दे पर प्रगति होने से पहले एक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के बारे में आपत्ति व्यक्त की है। यून और किशिदा जून में मैड्रिड में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान मिले, जिसमें बाइडेन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता भी शामिल थी, लेकिन आमने-सामने बातचीत के लिए नहीं बैठे।

उस महीने सियोल में उनके शिखर सम्मेलन के बाद मई में पदभार ग्रहण करने के बाद से बाइडेन के साथ यून की दूसरी बैठक होगी।

30 सितंबर के बाद भी जारी रह सकती है मुफ्त अनाज योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना को 30 सितंबर से आगे बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर काफी गंभीर है। सरकार जल्द ही इस योजना को आगे बढ़ाने के बारे में फैसला लेकर इसका ऐलान कर सकती है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत फिलहाल देशभर में करीब 80 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन की सुविधा मुहैया करा रही है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मार्च 2020 से ही गरीब लोगों को मुफ्त में राशन देने की सुविधा शुरू की गई थी। इस योजना के तहत करीब 80 करोड़ लोगों को सरकार की तरफ से हर महीने 5 किलो मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जाता है। ये योजना फिलहाल 30 सितंबर तक जारी रहने वाली है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

इंग्लैंड में मंदिर पर हमला, धार्मिक ध्वज को उतारकर जलाने का आरोप; भारत-पाकिस्तान मैच के बाद फैला तनाव

भारत ने इंग्लैंड के लेस्टर शहर में भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसा और हिंदू परिसर में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। साथ ही इन हमलों में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है।

इंग्लैंड के लेस्टर शहर में फैले हिंदू-मुस्लिम तनाव के बीच मंदिर पर हमले की खबर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को झड़प के दौरान एक मंदिर को भी निशाना बनाया गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने मंदिर पर झंडे को उतार दिया और उसमें आग लगा दी। इस घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस ने इस मामले पर बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, हमें इस मामले की जानकारी है। इसे लेकर वीडियो सामने आया है, जिसमें शहर के मेल्टॉन रोड पर एक धार्मिक इमारत पर लगे झंडे को एक आदमी नीचे गिराता नजर आ रहा है। हमारी टीम की ओर से इस केस की जांच की जाएगी।

भारत ने हिंदू परिसर में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की

वहीं, भारत ने लेस्टर में भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसा और हिंदू परिसर में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। साथ ही इन हमलों में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा कि उसने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया है। शहर में झड़पों की खबरों के बाद ब्रिटेन के अधिकारियों से प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षा की अपील की गई है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद बढ़ा तनाव

दरअसल, पिछले महीने के अंत में एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद प्रशंसकों के बीच झड़प हुई थी, जिसके बाद से शहर में हिंदू और मुस्लिम समूहों के बीच भी झड़पों की खबरें आई हैं। लेस्टरशायर पुलिस ने कहा कि पूर्वी लेस्टर क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उसका अभियान जारी है और 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा, हम लेस्टर में हिंसा, अव्यवस्था या अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम शांति और बातचीत की अपील करना जारी रखेंगे।

झड़प के दौरान लाठी-डंडों के साथ दिखी भीड़

सोशल मीडिया पर आई रिपोर्ट में दावा किया गया कि इस सप्ताह के अंत में एक विरोध प्रदर्शन से मामला बढ़ा। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि पुलिस भीड़ के दो समूहों को रोकने की कोशिश कर रही है, जबकि इस दौरान कांच की बोतलें फेंकी गई थीं और कुछ लोग लाठी और डंडों के साथ मौजूद थे।